RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 259 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 18-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 फिल्मों में मेरे किरदारों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी: हेमा मालिनी
6 क्या 'सम्राट' संभाल पाएंगे नीतीश के भरोसे की विरासत?
7 संयुक्ता मेनन ने पूरी की 'द लैक गोल्ड' की शूटिंग

फर्स्ट टेक

चारधाम के लिए ऑफलाइन पंजीकरण भी शुरू

ऋषिकेश/भाषा। आगामी रविवार से शुरू हो रही चारधाम यात्रा के लिए शुक्रवार को श्रद्धालुओं के ऑफलाइन पंजीकरण भी शुरू हो गए और पहले दिन 2,713 श्रद्धालुओं ने भौतिक रूप से अपना पंजीकरण कराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यमुनोत्री धाम के लिए 683, गंगोत्री धाम के लिए 690, केदारनाथ धाम के लिए 667 और बदरीनाथ धाम के लिए 673 श्रद्धालुओं ने ऑफलाइन पंजीकरण कराया। उन्होंने बताया कि काउंटर पर पंजीकरण के अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए टीम उनके प्रवास स्थल पर पहुंचकर भी पंजीकरण कर रही हैं। इस बीच, छह मार्च से शुरू हुई चारधाम तीर्थयात्रियों की ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया लगातार जारी है और अब तक कुल 18,22,975 श्रद्धालु अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवा चुके हैं।

रुपया 29 पैसे मजबूत होकर 92.85 पर

मुंबई/भाषा। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 29 पैसे मजबूत होकर 92.85 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। डॉलर के कमजोर होने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच वैश्विक स्तर पर सकारात्मक धारणा से घरेलू मुद्रा में मजबूती आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में तेजी और विदेशी पूंजी प्रवाह में बढ़ोतरी से भी रुपये पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.93 पर खुला और कारोबार के दौरान 92.65 के उच्च स्तर तक पहुंचा। कारोबार के अंत में यह 92.85 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में 29 पैसे की बढ़त है।

वृंदावन में यमुना स्वच्छता अभियान में शामिल हुईं नेहा धूपिया

मथुरा (उप्र)/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया शुक्रवार को वृंदावन में यमुना की स्वच्छता के लिए चलाए जा रहे अभियान में शामिल हुईं और उन्होंने कहा कि नदियों की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है। अभिनेत्री ने सफाई कार्य में लगे लोगों से बातचीत की और स्वयं आगे बढ़कर गोवर्धन के एक स्वयंसेवक भागवत के हाथों में दस्ताने पहनाकर उन्हें सुरक्षित रूप से कार्य जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि यह पहल केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी की स्वच्छता को लेकर जन-जागरुकता बढ़ाना भी है।

लोकसभा में पारित नहीं हो पाया महिला आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ सदन में 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', पर हुए मत विभाजन के दौरान इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े।

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के संसदीय चुनावों से लागू करने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को संसद के निचले सदन में पारित नहीं हो पाया।

सदन में 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', पर हुए मत विभाजन के दौरान इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। विधेयक पर मत विभाजन में 528 सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस विधेयक को पारित करने के लिए 352 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता थी।

सरकार ने कहा कि विपक्ष ने महिलाओं को अधिकार और सम्मान देने का एक ऐतिहासिक मौका गंवा दिया है। वहीं दूसरी तरफ, विपक्ष ने कहा कि यह विधेयक संविधान पर 'आक्रमण' था, जिसे विपक्षी दलों ने रोका है।

संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं होने के बाद, 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को भी सदन में आगे नहीं बढ़ाया जा सका, जिन्हें चर्चा और पारित कराने के लिए रखा गया था। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने के बाद, अब इससे संबंधित दोनों विधेयकों 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को आगे नहीं बढ़ा सकते। उन्होंने कहा, ''महिलाओं को अधिकार और सम्मान देने वाले विधेयक का विपक्ष ने सम्मान नहीं किया।

संविधान पर आक्रमण था विधेयक, हमने इसे रोका : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा से महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं होने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह संविधान पर आक्रमण था, जिसे विपक्ष ने नाकाम कर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला आरक्षण लागू करना चाहते हैं तो 2023 में पारित कानून को लागू करें जिसमें विपक्ष पूरा सहयोग देगा। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह महिला (आरक्षण) विधेयक नहीं था, ये हिंदुस्तान के राजनीतिक और चुनावी ढांचे को बदलने की कोशिश थी, संविधान पर आक्रमण था। हमने इसे रोक दिया।'' राहुल गांधी ने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं, अगर आप महिला आरक्षण विधेयक लाना चाहते हैं, तो 2023 का महिला आरक्षण विधेयक आज से लागू कर दीजिए।

शीर्ष सैन्य कमांडरों ने चीन और पाक से लगती सीमाओं पर भारत की सुरक्षा चुनौतियों की समीक्षा की

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना के शीर्ष कमांडरों ने चीन और पाकिस्तान के साथ लगती सीमाओं पर भारत की सुरक्षा चुनौतियों की व्यापक समीक्षा की तथा 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले सबक के आधार पर सेना की युद्धक क्षमता को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'भविष्य के लिए तैयार सैन्य बल' के रूप में विकसित होने की अपनी दृष्टि के अनुरूप, सेना ने 2026 को 'नेटवर्किंग और डेटा केंद्रण' वर्ष के रूप में नामित किया है।

एक दिन पहले बृहस्पतिवार को यहां सैन्य कमांडरों का यह चार दिवसीय सम्मेलन समाप्त हुआ था।

सैन्य कमांडरों के द्विवार्षिक सम्मेलन में मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) और 'काउन्टर अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स' (सी-यूएएस) की तैनाती समेत सुरक्षा बल की अभियानगत क्षमता आवश्यकताओं पर भी ध्यान दिया गया।

कमांडरों ने भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण आपूर्ति श्रृंखलाओं में आने वाले व्यवधानों को देखते हुए दीर्घकालिक रणनीतिक अनुकूलन क्षमता सुनिश्चित करने के लिये स्वदेशी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया।

सम्मेलन की अध्यक्षता सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की। उसे (सम्मेलन को) कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और रक्षा सचिव आर के सिंह समेत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने संबोधित किया।

मंत्रालय ने कहा, एक 'भविष्य के लिए तैयार सेना' के रूप में विकसित होने की दृष्टि के अनुरूप, भारतीय सेना ने 2026 को 'नेटवर्किंग और डेटा केंद्रण' वर्ष के रूप में नामित किया है।

गिल की 86 रन की पारी से

टाइटंस ने केकेआर को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कैगिसो रबाडा (29 रन पर तीन विकेट) और मोहम्मद सिराज (23 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल (86) की बेहतरीन पारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में शुक्रवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को दो गेंद शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया।

कैमरून ग्रीन ने लय में वापसी करते हुए 79 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन केकेआर की पारी 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर 180 रन पर सिमट गई। टाइटंस ने 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 181 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

केकेआर को मौजूदा सत्र में छह मैचों के बाद भी पहली जीत का इंतजार है। टाइटंस की पांच मैचों में यह तीसरी जीत है और टीम छह अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

गिल ने 50 गेंदों की पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाने के अलावा साई सुदर्शन (22) के साथ 31 गेंदों में 57 रन और जोस बटलर (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 38 रन की साझेदारी की। उन्होंने वाशिंगटन सुंदर (13) के साथ तीसरे विकेट के लिए 46 रन जोड़े।

केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती ने दो विकेट लिए, जबकि वैभव अरोड़ा, सुनील नारायण और रमनदीप सिंह ने एक-एक विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला ग्रीन ने शुरुआती झटकों के बाद पारी को संभाला और 55 गेंदों में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 79 रन बनाए। उन्होंने रोवमैन पॉवेल (27) के साथ चौथे विकेट के लिए 55 रन और अनुकूल रॉय (नौ) के साथ पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। रबाडा और सिराज की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने नई गेंद से कहर बरपाते हुए शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया, जबकि अशोक शर्मा (45 रन पर दो विकेट) और प्रसिद्ध कृष्णा (32 रन पर एक विकेट) ने बीच के ओवरों में अच्छा साथ दिया।

अंबानी को पीछे छोड़ अदाणी बने एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति गौतम अदाणी रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. के प्रमुख मुकेश अंबानी को पीछे छोड़कर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। यह बदलाव उनके बंदरगाह से ऊर्जा क्षेत्र तक फैले समूह के शेयर में लगातार तेजी के कारण उनकी संपत्ति में हुई वृद्धि के कारण हुआ है।

एशिया के अमीर व्यक्तियों की ताजा रैंकिंग के अनुसार, अदाणी की कुल संपत्ति 92.6 अरब डॉलर है, जबकि अंबानी की संपत्ति 90.8 अरब डॉलर आंकी गई है। इस तरह अदाणी अब भारत और एशिया दोनों में सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। अदाणी भारत के सबसे बड़े निजी बंदरगाह नेटवर्क का संचालन करते हैं। वे देश के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक और निजी हवाई अड्डा संचालक भी हैं तथा दुनिया के प्रमुख कोयला व्यापारियों में शामिल हैं। वह वर्तमान में 'ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स' में 19वें स्थान पर हैं। यह दुनिया के 500 सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची है और इसे रोजाना अद्यतन किया जाता है।

उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में

राज्यसभा के तीसरी बार उपसभापति बने हरिवंश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही विभिन्न दलों के सदस्यों ने शुक्रवार को नवनिर्वाचित उपसभापति हरिवंश को बधाई दी तथा सदन में उनके आचरण की सराहना की। हरिवंश इस पद पर तीसरी बार निर्वाचित हुए हैं। सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी उन्हें पुनः निर्वाचित होने पर बधाई दी।

राधाकृष्णन ने कहा, उनका निर्विरोध निर्वाचन मात्र एक औपचारिक परिणाम नहीं है, बल्कि यह इस उच्च सदन के सभी वर्गों और दलों के बीच उनके प्रति गहरे विश्वास, भरोसे और सम्मान की प्रबल पुष्टि है।

सभापति ने लगातार तीसरी बार इस उच्च संवैधानिक पद पर हरिवंश के निर्वाचन को दुर्लभ उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, यह न केवल निरंतरता को दर्शाता है, बल्कि कर्तव्यों के निर्वहन में निष्पक्षता, संयम और संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का भी परिचायक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनका लगातार तीसरी बार इस पद के लिए चुना जाना अपने आप में गहरा प्रमाण है कि सदन को उन पर कितना भरोसा है।

नड्डा ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि हरिवंश अपने सार्वजनिक जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं और अपना जीवन सत्यनिष्ठा के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि विचारों में स्पष्टता और सामंजस्य उनके व्यक्तित्व की पहचान रहे हैं। उन्होंने निर्विरोध निर्वाचन के लिए राजग के सहयोगियों और विपक्षी दलों को धन्यवाद दिया और हरिवंश के सफल कार्यकाल की कामना की।

विपक्ष के नेता खरगे ने चुनाव को 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा कि हरिवंश पहले मनोनीत सदस्य हैं जो उपसभापति बने हैं। उन्होंने कहा , ''इस पद पर आपका चुनाव एक मिसाल कायम करता है, यह साबित करता है कि आप इस पद के योग्य हैं।'' उन्होंने हालांकि, संस्थागत कामकाज पर चिंता जताते हुए कहा कि लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद 2019 से खाली है।

होर्मुज जलडमरूमध्य सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए 'पूरी तरह से खुला' है : ईरान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेहरान/वाशिंगटन/भाषा। ईरान ने शुक्रवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए ''पूरी तरह से खुला'' है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कदम का स्वागत किया है। ट्रंप ने हालांकि कहा कि ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी तब तक ''पूरी ताकत'' के साथ जारी रहेगी जब तक तेहरान युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका के साथ समझौता नहीं कर लेता। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लेबनान में हुए संघर्षविराम के मद्देनजर, होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए मार्ग युद्धविराम की शेष अवधि के लिए पूरी तरह से खुला घोषित किया गया है।''

अराघची ने हालांकि कहा कि जहाजों को ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन द्वारा ''पहले से घोषित मार्ग'' पर ही चलना होगा। इसके कुछ मिनट बाद, राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में इस घोषणा को साझा किया। इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोलने की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लेबनान और इजराइल के बीच 10 दिवसीय संघर्षविराम की घोषणा किए जाने के एक दिन बाद की गई है। दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने मध्यरात्रि के बाद से कोई हवाई हमला नहीं देखा है, लेकिन उन्होंने इजराइली सेना पर दक्षिणी लेबनान में हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने और गोलाबारी करने का आरोप लगाया।

अमेरिका ने इजराइल को लेबनान पर हमले करने से रोक दिया है : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका ने इजराइल को लेबनान पर हमले करने से रोक दिया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि हिज्बुल्ला के खिलाफ जारी युद्ध में बहुत हो चुका।

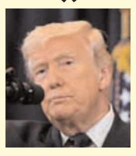

उन्होंने लिखा, अमेरिका अलग से लेबनान के साथ काम करेगा और हिज्बुल्ला की स्थिति से उचित तरीके से निपटेगा। इजराइल अब लेबनान पर बमबारी नहीं करेगा। अमेरिका ने उसे ऐसा करने से रोक दिया है। बहुत हो चुका।

ईरान संवर्धित यूरेनियम सौंपने के लिए तैयार : ट्रंप ने फिर दावा किया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को फिर से दावा किया कि ईरान संवर्धित यूरेनियम सौंपने पर सहमत हो गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''अमेरिका को हमारे महान बी2 बमवर्षकों द्वारा उत्पन्न की गई पूरी परमाणु धूल प्राप्त होगी – किसी भी तरह से, किसी भी रूप में पैसों का लेन-देन नहीं होगा।'' ''परमाणु धूल'' शब्द का उपयोग ट्रंप अक्सर अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम को संदर्भित करने के लिए करते हैं, जिसके बारे में माना जाता है कि यह उन परमाणु स्थलों के नीचे दबा हुआ है जिन पर अमेरिका ने पिछले साल इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन तक चले युद्ध के दौरान बमबारी की थी।

सूर्यास्त 16-04-2026	6:21 बजे
सूर्योदय 17-04-2026	5:54 बजे
BSE	78,493.54 (+504.86)
NSE	24,353.55 (+156.80)
सोना	16,018 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम
चांदी	264,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्म प्रवंची

निज दल के नेता ही ज्ञानी,
बाकी सारे ढोर हैं।
हम ही हैं आनंद प्रदाता,
बाकी सारे बोर हैं।
राष्ट्र भक्त ईमानदार हम,
अन्य कमीशनखोर हैं।
हर दल का ये ही इक मत है,
दूजे सब दल चोर हैं।।

रेखा गुप्ता ने 200 ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'स्वच्छ, हरित एवं सतत' परिवहन प्रणाली की प्रतिबद्धता जताते हुए पूर्वी विनोद नगर डिपो से 200 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेखा ने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से लैस करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने ई-वाहनों की बैटरियों का सुरक्षित तरीके से निस्तारण करने के लिए होलंबी

कलां क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक कचरा निपटान संयंत्र भी स्थापित करने का एलान किया। इनके शामिल होने से राष्ट्रीय राजधानी में सार्वजनिक परिवहन के बेड़े में शामिल 6,300 बसों में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 4,550 हो गई है। रेखा ने दिल्ली-रोहतक अंतरराज्यीय बस सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और मदनपुर खादर बस टर्मिनल एवं पूर्वी विनोद नगर डिपो में एक नये भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ई-बसें विकसित दिल्ली के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेंगी और प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में भी मददगार होंगी। रेखा ने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) हर महीने नई बसें चला रहा है या नये कार्यालयों का उद्घाटन कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार दिल्ली में बेहतर सरकारी कार्यालयों के लिए काम कर रही है, जिससे अंततः एक बेहतर शहर के निर्माण में मदद मिलेगी।'' रेखा ने दावा किया कि दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति देश में सबसे प्रभावी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी पिछले कई वर्षों से वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, लेकिन पिछली सरकारों ने कोई उचित योजना नहीं बनाई। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारी सरकार दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को पूरी तरह से ईवी से लैस करने की दिशा में युद्ध स्तर पर काम कर रही है। दिल्ली में ई-बसों की 4,500 से अधिक हो चुकी है और 2026 अंत तक इसे 7,000 तक पहुंचाने का लक्ष्य है।''

नवी मुंबई के थिएटर में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। नवी मुंबई के ऐरोली इलाके में नवनिर्मित थिएटर में शुक्रवार को आग लग गई। इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। नगर निगम के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

नवी मुंबई नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख सचिन कदम ने बताया कि सेक्टर चार स्थित थिएटर में आग लगने की सूचना दोपहर 12:50 बजे मिली, जिसके बाद दमकल गाड़ियां और पानी के टैंकर तुरंत मौके पर भेजे गए। उन्होंने कहा, ''एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया और शीतलन कार्य शुरू कर दिया गया। आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।''

सरकार को अपनी ही कमियों के पीछे छिपने की अनुमति नहीं दी जा सकती : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार की उस बेतुकी दलील को शुक्रवार को ''चौंकाने वाला और चिंताजनक'' बताया जिसमें उसने यह कहते हुए असमर्थता जताई थी कि उसके वन अधिकारियों के पास रेत माफिया के हथियारों का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त शस्त्र नहीं हैं।

अदालत ने कहा कि सरकार को ''विवशता का बहाना'' बनाने या अपनी ही कमियों के पीछे छिपने की अनुमति नहीं दी जा सकती, विशेष रूप से तब जब इन्हीं कमियों के कारण हिंसा, मानव जीवन की हानि और गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए महत्वपूर्ण पर्यावासों का नुकसान होता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने 'राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध रेत खनन और लुप्तप्राय जलीय वन्यजीवों के लिए खतरा' शीर्षक वाले मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने कहा, ''इससे भी अधिक चौंकाने वाली और चिंताजनक बात यह है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष दायर एक हलफनामे में मध्य प्रदेश राज्य की ओर से कहा गया है कि वन अधिकारियों के पास उन रेत माफिया से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक उपकरण, विशेष रूप से पर्याप्त हथियार नहीं हैं, जो कथित तौर पर उन्नत हथियारों और आधुनिक वाहनों से लैस हैं।''

तेलंगाना में हुए जाति सर्वेक्षण से राज्य में दो लाख से अधिक कन्याओं के बाल विवाह का खुलासा

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा 2024-25 में कराए गए जाति सर्वेक्षण में 18 वर्ष से कम उम्र की लगभग पांच प्रतिशत यानी 2.16 लाख लड़कियों के विवाह होने की जानकारी सामने आई है। हाल ही में सार्वजनिक की गई सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि तेलंगाना में औसतन महिला-पुरुष अनुपात 0.98 है। दिलचस्प बात यह है कि गोंड और कोया (दोनों अनुसूचित जनजातियां), तथा माला और मडिगा (दोनों अनुसूचित जातियां) में यह अनुपात 1 से अधिक है, जबकि अयंगर/अय्यर, जैन, राजू और सामान्य श्रेणी के मुसलमानों जैसे सामान्य वर्गों में यह अनुपात राज्य के औसत 0.98 से काफी कम पाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, तेलंगाना में बालिका विवाह के संबंध में पाया गया कि पांच प्रतिशत लड़कियां या 18 वर्ष से कम उम्र की 2.16 लाख लड़कियों की शादी हो चुकी है। 18 वर्ष से कम उम्र में विवाहित लड़कियों का सबसे अधिक अनुपात अयंगर/अय्यर समुदाय में (21.2 प्रतिशत) पाया गया-जो राज्य के औसत से लगभग पांच गुना अधिक है, जबकि जैन समुदाय में यह आंकड़ा 11 प्रतिशत है, जो राज्य के औसत से लगभग दोगुना है।

महिला आरक्षण के खिलाफ है 'इंडी' गठबंधन, महिलाएं देख रही हैं कि रास्ते का रोड़ा कौन है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके ''रास्ते का रोड़ा'' कौन है और उन्हें महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि जो लोग परिसीमन का विरोध कर रहे हैं, वे कहीं न कहीं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के लिए आरक्षित सीटों में बढ़ोतरी का विरोध कर रहे हैं।

गृह मंत्री ने अलग-अलग सीटों के बीच जनसंख्या के असंतुलन का हवाला देते हुए कहा कि यह परिसीमन से ही ठीक हो सकता है और विपक्ष को इसमें सहयोग करना चाहिए। शाह ने कहा, ''सबने (सदन में) बोला कि वे महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन जब बारीकी से देखें तो 'इंडी' गठबंधन के सदस्यों ने अगर-मगर, किंतु-परंतु का उपयोग करके महिला आरक्षण का विरोध किया।'' गृह मंत्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि अगर ये वोट नहीं देंगे तो महिला आरक्षण विधेयक गिर जाएगा, लेकिन देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके रास्ते का रोड़ा कौन है।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रस्तावित परिसीमन से दक्षिण भारत के राज्यों को प्रतिनिधित्व के संदर्भ में कोई नुकसान नहीं होगा।

गृह मंत्री ने कहा, ''कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल... इन पांच राज्यों की लोकसभा की 543 सीटों में वर्तमान संख्या 129 है, जिसका प्रतिशत 23.76 बनता है। अब वृद्धि के बाद जब इन पांचों राज्यों को (सीटों का) आवंटन किया जाएगा, तो सीटों की संख्या 129 से बढ़कर 195 हो जाएगी। वहीं, (लोकसभा की प्रस्तावित कुल सीट संख्या) 816 में इसका प्रतिशत निकालेंगे, तो 23.87 प्रतिशत आएगा। (वर्तमान में) यह 23.76 प्रतिशत है जो अब 23.87 होगा। किसी का कोई नुकसान नहीं होगा।'' शाह ने कहा, ''यहां कुछ सदस्यों ने भ्रांति फैलाई कि मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण मिलना चाहिए। मैं यहां संविधान की नीतियों को स्पष्ट करना चाहता हूं। भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को स्वीकार नहीं करता है।'' उन्होंने कहा कि 'इंडी' गठबंधन के लोग तुष्टिकरण की राजनीति के कारण मुस्लिम आरक्षण की मांग करना चाहते हैं और ये संविधान की बात करते हैं।

शाह ने जाति जगनणना के संदर्भ में कहा, ''जब से यह विधेयक आया है, विपक्ष ने कुछ भ्रांतियां फैलाना शुरू किया है कि जाति जनगणना को टालने के लिए सरकार संविधान संशोधन लेकर आई है। मैं बताना चाहता हूं कि तीन माह पहले ही हम जाति जनगणना का पूरा टाइम टेबल घोषित कर चुके हैं, टालने का सवाल ही नहीं है।'' उन्होंने कहा कि जाति जनगणना शुरू हो चुकी है, उसका पहला चरण चल रहा है।

दिल्ली के नरेला में एक जूता फैक्टरी में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के नरेला इलाके में शुक्रवार को जूतों की दो मंजिला फैक्टरी में आग लग गई, जिसपर काबू पाने के लिए 24 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, आग की इस घटना में न तो किसी के हताहत होने की और न ही फैक्टरी में किसी के फंसे होने की कोई खबर है। अग्निशमन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''सुबह 7.45 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद चार दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं।''

उन्होंने कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 24 दमकल गाड़ियों का इस्तेमाल आग बुझाने के लिए किया गया। उन्होंने बताया कि दूसरी मंजिल पर दो अलग-अलग इकाइयां थीं। अधिकारी ने बताया, ''आग 350 वर्ग मीटर की एक इकाई में लगी और दूसरी फैक्टरी तक फैलने ही वाली थी। (लेकिन) हमने आग पर काबू पा लिया है और इसे दूसरी फैक्टरी तक फैलने से रोक दिया है।'' अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन कारखाने के अंदर पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) और कार्डबोर्ड जैसी अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री की मौजूदगी से आग की तीव्रता बढ़ी हो सकती है।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.82 अरब डॉलर बढ़कर फिर 700 अरब डॉलर के पार

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान 3.82 अरब डॉलर बढ़कर 700.94 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह कहा। इससे पहले तीन अप्रैल को समाप्त सप्ताह में कुल भंडार 9.06 अरब डॉलर बढ़कर 697.12 अरब डॉलर रहा था। पश्चिम एशिया संघर्ष की शुरुआत से पहले इस साल 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, संघर्ष के कारण रुपये पर दबाव बढ़ा और आरबीआई को विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की बिक्री के जरिये हस्तक्षेप करना पड़ा, जिससे लगातार कई हफ्तों तक भंडार में गिरावट देखी गई थी।

केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 10 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के लिए, विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 3.12 अरब डॉलर बढ़कर 555.98 अरब डॉलर पर रही। डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं की तेजी या गिरावट के प्रभाव को भी शामिल किया जाता है।

सिंगरौली में नकाबपोशों ने दिनदहाड़े बैंक से लूट लिए 14 लाख रुपये

सिंगरौली/भाषा। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में शुक्रवार को नकाबपोश बदमाशों के एक गिरोह ने हथियारों के बल पर एक सरकारी बैंक से दिनदहाड़े 14 लाख रुपये लूट लिए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सिंगरौली के बैढ़नविंध्य नगर मुख्य मार्ग स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में शुक्रवार की दोपहर हुई इस घटना के बाद पूरे जिले में हाई अलर्ट जारी करते हुए नाकाबंदी कर सघन जांच शुरू कर दी गई है। कोतवाली थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि लुटेरों के गिरोह में कुल पांच लोग शामिल थे, जिनमें चार नकाबपोश बंदूक लेकर अंदर घुसे थे जबकि एक कट्टा लेकर बैंक के बाहर उन्हें सुरक्षा दे रहा था। उन्होंने बताया कि लुटेरों ने बैंक के प्रबंधक के कनपटी पर बंदूक लगा दी और 14 लाख रुपये से भरे एक बक्से को ले भागे। परिहार ने बताया, ''बाकी और क्या कुछ ले गए हैं, इसके लिए बैंक के लॉकरों को खंगाला जा रहा है।'' उन्होंने बताया कि लुटेरों ने 20 मिनट के अंदर घटना को अंजाम दिया और फरार हो गए।

चुनावी मानचित्र बदलने के प्रयास में सरकार, यह राष्ट्र विरोधी कृत्यः राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन से संबंधित विधेयकों का महिला आरक्षण से कोई संबंध नहीं है, बल्कि यह देश के चुनावी मानचित्र को बदलने का प्रयास है जो ''राष्ट्र विरोधी कृत्य'' है। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार जाति जनगणना को दबाने और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से उनका अधिकार छीनने का प्रयास कर रही है।

राहुल गांधी ने कहा, ''पूरा विपक्ष मिलकर सरकार के इस प्रयास को विफल करने जा रहा है।'' नेता प्रतिपक्ष ने अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए एक शब्द का कई बार इस्तेमाल किया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आपत्ति जताई। बिरला ने इस शब्द को सदन की कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदर्भ में नेता प्रतिपक्ष द्वारा जिस प्रकार के शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और उसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इस देश की जनता का अपमान कर रहे हैं और उन्हें क्षमा मांगनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने महिला आरक्षण से संबंधित विधेयकों का उल्लेख करते हुए कहा, ''कुछ सच्चाई इस सदन में बताने की जरूरत है। यह महिला आरक्षण विधेयक नहीं है, इसका महिलाओं के सशक्तीकरण से कोई लेनादेना नहीं है। 2023 में जो (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) पारित हुआ था वह महिला आरक्षण विधेयक था।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''यह भारत की महिलाओं के पीछे छिपकर देश के चुनावी मानचित्र को बदलने का प्रयास है...यह शर्मनाक कृत्य है क्योंकि यह सब भारत की महिलाओं के नाम पर किया जा रहा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जाति जनगणना को दरकिनार करने का प्रयास किया जा रहा है। राहुल ने दावा किया कि ओबीसी से उनका अधिकार छीनने का प्रयास किया जा रहा है, यही सरकार का एजेंडा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि दक्षिण भारत के राज्यों, छोटे प्रदेशों और पूर्वोत्तर की राजनीतिक ताकत छीनी जा रही है। राहुल ने कहा, ''भाजपा बेवकूफ नहीं है, उन्हें पता था कि यह विधेयक पारित नहीं हो सकता। लेकिन वे फिर भी इसे लेकर आए। यह एक घबराहट भरी प्रतिक्रिया थी...वे भारत के चुनावी मानचित्र को बदलना चाहते हैं और प्रधानमंत्री को यह संदेश दोबारा भेजने की जरूरत पड़ी कि वह महिला समर्थक हैं।वह ऐसा क्यों कर रहे हैं, मैं इसे आपकी कल्पना पर छोड़ता हूं। लेकिन जो शक्तियां हैं वे ठीक-ठीक जानती हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं देश भर में अपने दोस्तों, भाइयों और बहनों, दक्षिण के राज्यों, छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर के राज्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे चिंता न करें। हम उन्हें (भाजपा को) भारत संघ पर हमला नहीं करने देंगे। आप भारत संघ में बराबर के भागीदार हैं। वे भारत संघ में आपके प्रतिनिधित्व को छूने का साहस नहीं कर पाएंगे।''

राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा दलित और पिछड़े समुदायों को हिंदू कहती है लेकिन सत्ता की व्यवस्था में उन्हें उचित स्थान नहीं देना चाहती। उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कहा, ''भाजपा और उसके नेतृत्व के मन में एक बुनियादी भ्रम है। वे मानते हैं कि वे ही भारत की जनता हैं। आप भारत की जनता नहीं हैं। वे यह भी मानते हैं कि वे सशस्त्र बल हैं। आप (भाजपा) सशस्त्र बल नहीं हैं।''

लोकसभा में राहुल गांधी का भाषण पीसी सरकार के 'मैजिक शो' जैसा : दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित विधेयकों पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह पीसी सरकार का 'मैजिक शो' या ''माइकल जैक्सन के डांस'' जैसा था।

इन विधेयकों पर चर्चा में भाग लेते हुए दुबे जब जातिगत जनगणना पर अपनी बात रख रहे थे, उसी दौरान उनकी समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अखिलेश यादव के साथ उनकी नोकझोंक हुई।

इससे पहले, भाजपा सांसद ने कहा, ''मुझे लगा कि आज नेता प्रतिपक्ष से माताओं-बहनों के लिए कुछ सुनने के लिए मिलेगा, लेकिन उन्होंने जो भाषण दिया तो मुझे लगा कि मैंने पीसी सरकार का जादू (मैजिक) शो या माइकल जैक्सन का डांस देख लिया। मैं भ्रमित हूं कि वह पीसी सरकार थे या माइकल जैक्सन।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मुझे फिर याद आया कि आज 17 अप्रैल है। 17 अप्रैल 1987 को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर बोफोर्स की कमीशनखोरी का पहली बार आरोप लगा था।''

दुबे ने आरोप लगाया कि इसी दिन 1998 में सीताराम केसरी को हटाकर सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनी थीं तथा 17 अप्रैल 1999 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार को ''क्रिश्चियन लॉबी के दबाव में गिरधर गमांग से वोट कराकर इस्तीफा दिलाया गया था।'' भाजपा सांसद ने राहुल पर तंज कसते हुए कहा, ''आज 17 अप्रैल है, इसलिए उनका पीसी सरकार और माइकल जैक्सन होना लाजिमी है।''

उन्होंने दावा किया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को पदोन्नति में आरक्षण के लिए इस लोकसभा में कानून लाया गया तो सपा के अनुसूचित जाति के एक सांसद को पीटा गया था।

इस पर, अखिलेश यादव ने कहा कि सपा हमेशा से महिला आरक्षण की पक्षधर रही है, जिसे वह दलीय आधार पर चाहती है। उन्होंने सवाल किया, ''आप बताएं कि करेंगे या नहीं और कब करेंगे? आप ओबीसी महिलाओं को शामिल करेंगे या नहीं?''

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने इस पर हस्तक्षेप करते हुए कहा, ''अभी चर्चा चल रही है आपको स्पष्टीकरण चाहिए तो गृह मंत्री जी का जब जवाब होगा उस समय मिल जाएगा।'' वहीं, सपा प्रमुख ने कहा, ''एक निवेदन है कि बहुत ज्यादा इतिहास के पन्ने नहीं पलटें।'' इस पर, दुबे ने एक श्लोक का उल्लेख करते हुए कि ''हमारे लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अगड़ा-पिछड़ा सब एक बराबर हैं।''

इस बीच, अखिलेश ने कहा, ''मैंने उनका श्लोक सुना। मैं पूछना चाहता हूं कि मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र कन्नौज में एक मंदिर में गया था, उसे बाद में गंगाजल से धुलवाया गया था। क्यों धुलवाया गया?''

इसपर, दुबे ने कहा कि जिसने भी यह किया, गलत किया और वे अपराधी हैं तथा उन पर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

सपा सदस्यों के शोरगुल के बीच दुबे ने नाराजगी जताते हुए कहा ''मैं कान पकड़ कर भी माफी मांग लूंगा, लेकिन मैंने तो गंगा जल से नहीं धुलवाया है। मेरा इससे क्या संबंध है?''

गोवा में ऊंचे शुल्क से बचने के लिए होटल खुद घटा रहे अपनी श्रेणी : रोहन खौंटे

पणजी/भाषा। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य में स्टार रेटिंग वाले कई होटल अधिक सरकारी शुल्क से बचने के लिए जानबूझकर अपनी श्रेणी घटा रहे हैं, जिससे राजस्व को नुकसान हो रहा है। खौंटे ने पोर्वोरिम में संवाददाताओं से कहा कि कुछ पांच सितारा होटल, जो 'ए' या 'बी' श्रेणी में होने चाहिए, वे उससे नीचे की श्रेणी में जा रहे हैं ताकि ऊंचे शुल्क से बचा जा सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस मामले में पर्यटन विभाग के कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है, जो इन होटलों का भौतिक निरीक्षण कर उनकी श्रेणी तय करने के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने बताया कि पर्यटन निदेशक केदार नाइक के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई है, जो राज्य के सभी पर्यटन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर उनकी श्रेणी की जांच करेगी। खौंटे ने कहा कि विभाग ने इन प्रतिष्ठानों के लिए विभिन्न मानकों के आधार पर श्रेणियां तय की हैं, लेकिन कई होटल अधिक शुल्क से बचने के लिए स्वयं अपनी श्रेणी घटा रहे हैं, जिससे राज्य को राजस्व नुकसान हो रहा है।

गैर-भाजपा सरकारों को परेशान कर लोकतंत्र की हत्या की जा रही: भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ''केवल गैर-भाजपा सरकारों को परेशान करके लोकतंत्र की हत्या की जा रही है''।

केंद्र पर ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मान ने दावा किया कि छापेमारी दर्शाती है कि भाजपा ने अगले साल होने वाले पंजाब चुनाव के लिए अपनी ''तैयारियां'' शुरू कर दी हैं। अरोड़ा ने ईडी द्वारा उनके और कुछ अन्य लोगों के परिसरों की तलाशी लिए जाने के बाद कहा कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में वह एजेंसियों के साथ सहयोग करेंगे। उन्होंने पोस्ट किया, ''सुप्रभात। प्रवर्तन निदेशालय ने मेरे परिसर में कार्रवाई की। एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में, मैं एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा और मुझे विश्वास है कि सच्चाई की जीत होगी।'' कुछ दिन पहले ईडी ने पंजाब और हरियाणा में आप के राज्यसभा सदस्य अशोक कुमार मित्तल के परिसरों तथा उनके शैक्षणिक संस्थानों की फेमा मामले के तहत तलाशी ली थी। हाल में राघव चड्ढा की जगह मित्तल को राज्यसभा में आप का उपनेता नियुक्त किया गया है। मित्तल फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति भी हैं। ईडी की छापेमारी को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि तीन दिन में यह दूसरी बार है जब एजेंसी ने आप नेताओं के परिसरों पर छापेमारी की है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, क्या प्रधानमंत्री हमें बताएंगे कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के आवासों पर अब तक की गई अनगिनत छापेमारी में कितना काला धन बरामद हुआ है?

परिसीमन बिल एक सोची-समझी साजिश, केंद्र सरकार इसे खारिज करे : एमके स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि यह तमिलनाडु की राजनीति के लिए 'एक निर्णायक क्षण' है और आज यह साफ हो जाएगा कि परिसीमन के खिलाफ उनके संघर्ष का क्या नतीजा निकलता है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने दावा किया कि लगातार विरोध और दबाव के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में मौखिक आश्वासन दिया है कि तमिलनाडु की संसदीय सीटों में कोई कमी नहीं की जाएगी। हालांकि मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस भरोसे पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी बातें कुछ और, लेकिन उनके कदम कुछ और ही दिखाते हैं। स्टालिन ने आरोप लगाया कि पेश किया गया विधेयक एक सोची-समझी साजिश है और इसे पूरी तरह खारिज किया जाना चाहिए। इस बिल में परिसीमन आयोग को दिए गए व्यापक अधिकार बेहद खतरनाक हैं, जिनके जरिए किसी भी समय और किसी भी तरीके से राज्यों के प्रतिनिधित्व में बदलाव किया जा सकता है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि इस विधेयक को जल्दबाजी में पारित नहीं किया जाना चाहिए और इसे पूरी तरह वापस लिया जाना चाहिए। यदि सरकार इसे संसद में जबरन पास कराने की कोशिश करती है, तो तमिलनाडु में इसका कड़ा विरोध होगा। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने हिंदी थोपने के खिलाफ अपने वादे को निभाया था, जबकि मौजूदा केंद्र सरकार राज्यों के अधिकारों की बात तो करती है, लेकिन व्यवहार में उन्हें कमजोर कर रही है।

उन्होंने यह भी मांग की कि पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी व अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा संविधान संशोधन के जरिए परिसीमन पर लगाई गई रोक जैसी सुरक्षा व्यवस्था फिर से लागू की जाए।

तमिलनाडु चुनाव

भाजपा का द्रमुक पर तीखा प्रहार, महिला आरक्षण और परिसीमन पर नारायणन तिरुपति ने दी सफाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में चुनावी बिगुल फूकते ही राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय 'कमलालयम' में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए विपक्षी दल द्रमुक (डीएमके) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने महिला आरक्षण और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन जैसे संवेदनशील मुद्दों पर जनता के बीच फैले संदेहों को दूर करने का प्रयास किया।

नारायणन तिरुपति ने निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन (डीलिमिटेशन)पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वयं मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया है कि इस प्रक्रिया से तमिलनाडु के हितों पर कोई आंच नहीं आएगी। उन्होंने उन खबरों का हवाला दिया जिनके अनुसार तमिलनाडु में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या में भारी वृद्धि हो सकती है।

चर्चा है कि राज्य में वर्तमान सीटों के अलावा अतिरिक्त 20 सीटें बढ़ाई जा सकती हैं (जिससे प्रतिशत 7.18 प्रतिात से बढ़कर 7.23 प्रतिशत होने की संभावना है)। भाजपा प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि इस कदम से संसद में तमिलनाडु की राजनीतिक शक्ति और प्रतिनिधित्व पहले से कहीं अधिक मजबूत होगा। महिला आरक्षण विधेयक को चुनावी स्टंट बताने वाली डीएमके की आलोचना का जवाब देते हुए तिरुपति ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के परिवारवाद पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा जो मुख्यमंत्री अपने ही परिवार की प्रतिभावान सदस्य कनिमोझी को मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री बनने का अवसर नहीं दे पाए, वे आज महिलाओं की उन्नति की बात कर रहे हैं। डीएमके की महिलाओं के प्रति चिंता महज एक दिखावा है।

हाल ही में डीएमके सदस्यों द्वारा कानून के विरोध में दिखाए गए काले झंडों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के विजन पर बुरी नज़र डालने जैसा बताया। उन्होंने कहा कि संसद में गृह मंत्री और भाजपा के अन्य सदस्यों ने डीएमके के दोहरे मापदंडों का पर्दाफाश कर उन्हें करारा जवाब दिया है। गठबंधन सहयोगी प्रेमलता विजयकांत द्वारा डीएमके सरकार की कुछ विशेषताओं की ओर इशारा किए जाने पर, तिरुपति ने इसे कटाक्ष के रूप में लेते हुए कहा कि यह डीएमके के शासन का वास्तविक चेहरा उजागर करता है।

तमिलनाडु चुनाव 2026 के बीच जब्ती 800 करोड़ के पार, 2021 के मुकाबले लगभग दोगुनी

चेन्नई। तमिलनाडु में चल रहे चुनावी माहौल के अब तक करीब 800 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती सामान और अवैध वस्तुएं जब्त की जा चुकी हैं। यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले लगभग दोगुना है। चुनाव विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 2021 के चुनाव में 446.28 करोड़ रुपए के उपहार और कीमती धातुएं बिना वैध दस्तावेज के जब्त की गई थीं। इसके अलावा 236.70 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी पकड़ी गई थी।

खास बात यह रही कि जब्त किए गए सामान में से 50 प्रतिशत से ज्यादा बाद में सही दस्तावेज दिखाने पर लोगों को वापस लौटा दिए गए थे। उस समय कुल जब्ती में केवल सोने की हिस्सेदारी ही 173.19 करोड़ रुपए की थी। वहीं, इस बार स्थिति और ज्यादा सख्त नजर आ रही है। बुधवार तक करीब 800 करोड़ रुपए की जब्ती हो चुकी है, जिसमें नकदी, आभूषण, नशीले पदार्थ और शराब शामिल हैं। अब तक 126.64 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी जब्त की गई है, जिसके पास वैध कागजात नहीं थे।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों का सामान जब्त हुआ है, वे जरूरी दस्तावेज दिखाकर उसे वापस ले सकते हैं। अब तक करीब 400 करोड़ रुपए की जब्त सामग्री (जिसमें नकदी और कीमती धातुएं शामिल हैं) जांच के बाद लौटाई भी जा चुकी है। इससे यह भी पता चलता है कि सख्ती के साथ-साथ सही लोगों को राहत देने की व्यवस्था भी मौजूद है।

यह पूरी कार्रवाई राज्यभर में तैनात फ्लाइंग स्क्वॉड, स्थिर निगरानी टीमों और आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा की जा रही है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर ये टीमें 24 घंटे सक्रिय हैं। वे लगातार वाहनों की जांच कर रही हैं, परिवहन मार्गों पर नजर रख रही हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस सख्ती का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान मतदाताओं को नकदी या अन्य प्रलोभन देने की कोशिशों को रोकना है। एक अधिकारी ने कहा, हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

स्टालिन हर छोटी-छोटी बात पर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर देते हैं : नागेंद्रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर केंद्र सरकार की हर पहल और नीति के प्रति विरोध का रुख अपनाने का शुक्रवार को आरोप लगाया। नागेंद्रन ने दावा किया कि स्टालिन और उनकी सरकार का यह रुख 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की हार के डर का नतीजा है।

उन्होंने कहा, हमारे मुख्यमंत्री हर छोटी-छोटी बात पर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर देते हैं। इन पांच वर्षों में उन्होंने जनता के लिए कोई योजना नहीं बनाई, सिर्फ अपने परिवार के आराम का ख्याल रखा। वह बस यही कहते आ रहे हैं कि हमारे और दिल्ली के बीच प्रतिस्पर्धा है।

नागेंद्रन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तमिलनाडु दौरे से पहले इरोड में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी 18 अप्रैल को कोयंबटूर में एक भव्य जनसभा को संबोधित करेंगे, जबकि शाह 19 अप्रैल को मोदक्कुरिची निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो निकालेंगे।

भाजपा नेता ने महिला आरक्षण संबंधी विधेयक के समय को उचित ठहराते हुए कहा कि इस पर एक दशक से अधिक समय से चर्चा हो रही थी और आजादी के बाद से देश की जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए यह आवश्यक था।

नागेंद्रन ने राज्य सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया कि विधेयक को संसद में जल्दबाजी में पारित कराया जा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया, यह विधेयक जल्दबाजी में नहीं लाया गया है। एक चयन समिति पहले ही इसकी समीक्षा कर चुकी है और संसद में सभी पार्टियों के नेताओं के साथ इस पर चर्चा भी की जा चुकी है।

परिसीमन विधेयक को संसद से मंजूरी नहीं मिल पाएगी : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवगंगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित परीसीमन विधेयक को संसद से मंजूरी नहीं मिल पाएगी। चिदंबरम ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी, एम.के. स्टालिन और अखिलेश यादव यह सुनिश्चित करेंगे कि विधेयक को मंजूरी न मिले। उन्होंने कहा कि अगर सभी विपक्षी दल एकजुट हो जाएं, तो विधेयक पारित नहीं हो सकता।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस संविधान संशोधन के बाद तमिलनाडु में लोकसभा सीट की संख्या 39 से बढ़कर 59 हो जाने की बात को एक भ्रम बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह सीट बढ़ने के मामले में आधा सच बोल रहे हैं। चिदंबरम के अनुसार कांग्रेस, तृणमूल, सपा और भाकपा समेत 'इंडि' गठबंधन में शामिल दलों ने संसद में विधेयक का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल 180 सदस्यों ने विधेयक का विरोध किया है और यह संख्या बढ़कर 190 तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने आगाह किया कि भविष्य में जनसंख्या के आधार पर सीटों का निर्धारण होने से तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व 59 से घटकर 46 या 47 हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि 2011 की जनगणना का इस्तेमाल किया जाएगा या 2026 की।

द्रमुक ने राहुल गांधी और स्टालिन के संयुक्त रूप से प्रचार करने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने शुक्रवार को कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए संयुक्त रूप से प्रचार नहीं करेंगे, क्योंकि दोनों नेताओं के अलग-अलग कार्यक्रम हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को चुनाव प्रचार की शुरुआत करने चेन्नई आएंगे। द्रमुक नीत धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) के तहत कांग्रस 28 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

द्रमुक के संगठन सचिव आर.एस. भारती ने कहा, ''राहुल गांधी एक क्षेत्र में प्रचार करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री दूसरे क्षेत्र में प्रचार करेंगे।'' उन्होंने कहा कि न तो द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन और न ही राहुल गांधी के पास साथ में प्रचार करने का समय है, क्योंकि दोनों के पहले से तय यात्रा कार्यक्रम हैं। भारती भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता के. अन्नामलाई के उस दावे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''राहुल गांधी चाहते हैं कि तमिलनाडु में द्रमुक नीत गठबंधन हार जाए इसलिए वह राज्य में प्रचार करने नहीं आएंगे।''

द्रमुक नेता ने दावा किया कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही दिन शेष हैं और द्रमुक गठबंधन के समर्थन में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग पूरे देश में भाजपा की बी टीम की तरह काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर 10,000 रुपये के चेक का 'नमूना' बांटने के बहाने मतदाता पहचान पत्र संख्या सहित निजी जानकारियां जुटाने के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई है। भारती ने आरोप लगाया कि अन्नाद्रमुक कार्यकर्ता भी पर्चे बांट रहे हैं, जो वाउचर जैसे दिखते हैं और चुनावी वादे के तहत 10,000 रुपये देने का आश्वासन दे रहे हैं।

चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी में द्रविड़ दलों के दिग्गजों के बीच सीधा मुकाबला

चेन्नई। चेन्नई की चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी विधानसभा सीट पर राज्य के अन्य क्षेत्रों की तरह बहुकोणीय मुकाबला तय है, लेकिन चुनावी लड़ाई मुख्य रूप से द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा इकाई के प्रमुख उदयनिधि स्टालिन और अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता अधि राजाराम के बीच सिमटती नजर आ रही है। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन इस सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। इसी निर्वाचन क्षेत्र ने उनके दादा और पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम करुणानिधि को लगातार तीन बार – 1996, 2001 और 2006 में विधानसभा भेजा था।

उदयनिधि के 2021 में चुनाव जीतने से पहले द्रमुक के जे. अन्बलगन ने 2011 और 2016 में यह सीट जीती थी और यह क्षेत्र द्रमुक का गढ़ बना हुआ है। द्रमुक के इस कब्जे को खत्म करने का लक्ष्य लेकर 6% वर्षीय अन्नाद्रमुक नेता अधि राजाराम मैदान में हैं। पार्टी के नेतृत्व संकट के दौरान उन्होंने टीटीवी दिनाकरन या ओ पनीरसेल्वम का समर्थन नहीं किया था। उनका कहना है कि वह यहां द्रमुक के ''वर्चस्व'' का अंत करेंगे। राजाराम ने कहा, ''मैं भारी मतों के अंतर से जीतूंगा और इस सीट पर परिवारवाद खत्म करूंगा। पिछले पांच वर्षों में यहां वास्तविक विकास नहीं हुआ है।'' वह पहले 2006 में थाउजेंड लाइट्स सीट से एमके स्टालिन के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं और दूसरे नंबर पर रहे थे। वहीं, 48 वर्षीय उदयनिधि 'द्रविड़ मॉडल 2.0' सरकार के नाम पर प्रचार कर रहे हैं। वह मतदाताओं से कहते हैं– ''मैं एम करुणानिधि का पोता, एमके स्टालिन का बेटा, अपनी ओर से और आपके 'चेला पिल्लै' (प्यारे बच्चे) के रूप में द्रमुक को निर्णायक जीत दिलाने की अपील करता हूं।''

'काला टीका' बताने वाले लोग देवी काली को भूल गए : द्रमुक सांसद

नई दिल्ली/चेन्नई। महिला आरक्षण से संबंधित विधेयकों का विरोध करने के लिए द्रमुक सांसदों के काले परिधान पहनने को 'काला टीका' करार देने संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पार्टी सदस्य कनिमोझी ने शुक्रवार को कहा कि ''हिंदुत्व की बात करने वाले देवी काली को भूल गए।''

लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए कनिमोझी ने यह टिप्पणी की। द्रमुक सदस्य सदन में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को इन विधेयकों के विरोध स्वरूप काले परिधान पहनकर आए, वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष एम के स्टालिन ने राज्य में एक चुनावी रैली के दौरान काला झंडा लहराया। कनिमोझी ने कहा कि ''कल सदन में सरकार की ओर से कहा गया कि हम इस काले झंडे को नहीं मानते। उन्होंने कहा था कि यह बुरी नजर से बचाने वाले काले टीके की तरह है।'' द्रमुक सांसद ने कहा, ''उन्होंने काले टीके की बात की। लेकिन हिंदुत्व की बात करने वाले देवी काली को भूल गए। वही काला रंग हमने चुना है विरोध के लिए, जो हमारे नेता पेरियार ने हमें दिया था। इस काले रंग का अर्थ है कि हम अंत तक लड़ेंगे।'' मोदी ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में द्रमुक सांसदों के काले कपड़ों का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा था, ''अपने यहां जब भी कोई शुभ काम होता है तो उसे नजर नहीं लग जाए, इसके लिए काला टीका लगाने की परंपरा है। मैं आपका धन्यवाद करता हूं काला टीका लगाने के लिए।''

कनिमोझी ने चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि सरकार तमिलनाडु और अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए जल्दबाजी में तीनों विधेयक लाई है। उन्होंने इसे महिला आरक्षण के बहाने संघीय ढांचे पर बड़ा हमला बताया। द्रमुक सदस्य ने दावा किया कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों का इस्तेमाल कर परिसीमन किया जाएगा और इससे तमिलनाडु समेत दक्षिणी राज्यों को कमजोर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु और केरल समेत दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण की नीति को पूरी तरह अपनाया और जनसांख्यिकीय परिवर्तन किया। कनिमोझी ने कहा, ''देश को इस पर गर्व होना चाहिए। लेकिन जनसंख्या नियंत्रण का खामियाजा अब तमिलनाडु को भुगतना पड़ेगा।'' उन्होंने राजग सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''आप ही ऐसी सरकार हैं जो राजनीतिक विफलता को लाभ में बदल सकते हैं। पांच राज्यों के चुनाव के बीच इसे ले आए।''

कनिमोझी ने कहा कि समूचे विपक्ष ने सरकार से विधानसभा चुनाव के बाद इन विधेयकों को लाने को कहा था, लेकिन सरकार ने इन्हें अत्यंत आवश्यक बताया और दो सप्ताह भी इंतजार नहीं किया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को परिसीमन के साथ जोड़ना एक ट्रैप' है जिसका हम विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, ''चुनाव के लिए महिलाओं को 'ह्यूमन शील्ड' बनाया जा रहा है।'' कनिमोझी ने कहा कि सरकार महिलाओं को आरक्षण देना चाहती है तो इसे तत्काल लोकसभा की 543 सीटों पर लागू करे और परिसीमन से इसे अलग करे। तब उनकी पार्टी तुरंत इसका समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि परिसीमन के बाद जब सदन में 816 सदस्य होंगे तो दक्षिणी राज्यों की आवाज कमजोर होगी और राष्ट्रपति चुनाव में उनकी हिस्सेदारी भी कम होगी। कनिमोझी ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि ये विधेयक आपके भविष्य के एजेंडे को सुगम बनाने के लिए लाए गए हैं।

अन्नाद्रमुक सत्ता में आई तो तमिलनाडु को नशामुक्त बनाया जाएगा : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। अन्नाद्रमुक के महासचिव ए.के. पलानीस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर तमिलनाडु को नशामुक्त बनाया जाएगा। संगागिरि में चुनाव प्रचार के दौरान पलानीस्वामी ने कहा, ''छात्र नशे के आदी हो चुके हैं और अब इस बुराई को खत्म करने का समय आ गया है। अन्नाद्रमुक के सत्ता में आते ही गांजे की बिक्री पूरी तरह से समाप्त कर दी जाएगी। हम तमिलनाडु को नशामुक्त राज्य में बदल देंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था की स्थिति काफी खराब हो गई है और महिलाओं और आम जनता के लिए कोई सुरक्षा नहीं है।

पलानीस्वामी ने कहा, ''हालात इतने भयावह हो गए हैं कि दो साल के बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं और वे यौन हिंसा और हत्या का शिकार हो रहे हैं। अगर तमिलनाडु में महिलाओं को सुरक्षित रखना है तो अन्नाद्रमुक को सत्ता में लाना होगा।'' उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले पुलिसकर्मी भी मौजूदा सरकार में सुरक्षित नहीं हैं। पलानीस्वामी ने कहा, ''पिछले छह महीनों में ही छह पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई है।'' पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि नशाखोरों द्वारा हत्या, लूटपाट और यौन हिंसा की घटनाएं हर दिन होती हैं। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने कहा कि 525 चुनावी वादे करने के बावजूद द्रमुक उनमें से एक चौथाई भी पूरे नहीं कर पाई है।

तमिलनाडु चुनाव : उदयनिधि ने मतदाताओं से द्रमुक का समर्थन करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुप्पूर। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को राज्य के लोगों से आह्वान किया कि वे 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों का इस्तेमाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को प्रदेश को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध न कराने का ''जवाब'' देने के लिए करें।

उदयनिधि ने कहा कि लोगों को भाजपा और उसकी सहयोगी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) को सत्ता में आने से रोकना चाहिए तथा सत्तारूढ़ द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को निर्णायक जनादेश देना चाहिए। तिरुप्पुर जिले में द्रमुक के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने दावा किया कि औद्योगिक जिले में विकास की गति को तभी बनाए रखा जा सकता है, जब द्रमुक सत्ता में बरकरार रहे। उन्होंने गठबंधन उम्मीदवारोंजयकुमार (उदुमलाईपेट्टई), ए सुधाकर (पोल्लाची), एमपी समिनाथन (कांगेयम) और डॉ. इंद्राणी (धरपुरम) के पक्ष में प्रचार करते हुए कहा, ''क्या भाजपा सरकार ने तमिलनाडु को कोई धनराशि या परियोजनाएं उपलब्ध कराईं? लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं या धनराशि को उपलब्ध न कराने को लेकर भाजपा के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए। विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराकर उसे सबक सिखाएं।'' उदयनिधि ने लोगों से कहा, दिल्ली टीम को हराओ और तमिलनाडु को जीत दिलाओ।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई (दक्षिण)
38 & 39, व्हाइट्स रोड, रोयापेट्टा,
चेन्नई-600014 (टेलीफोन: 044-28523104)

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को **टी नगर, चेन्नई** में हमारी प्रस्तावित शाखा के लिए **2000 वर्ग फीट ± 10% कारपेट एरिया** वाला परिसर चाहिए जो अधिमानत रूप से भू-तल / प्रथम तल पर हो या हमारे विनिर्देशों के अनुसार किराए के लिए निर्माणाधीन हो, जिसका आगे का भाग अच्छा हो, मुख्य सड़क की ओर हो और जिसमें पर्याप्त पार्किंग हो।

संभावित आवेदक जिनके पास स्पष्ट स्वामित्व हो या मालिकों की ओर से बातचीत करने का अधिकार हो, वे बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** और ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.eprocure.gov.in** से आवेदन-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अथवा,

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई दक्षिण, व्हाइट्स रोड चेन्नई से कार्यालय अवधि के दौरान **दिनांक 18.04.2026** से प्रारूप प्राप्त करें और अपनी तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली प्रस्ताव को दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली लिखकर दिनांक **08.05.2026** को या उससे पूर्व अपराह्न **03:30 बजे** तक **क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई दक्षिण** में जमा कर दें। तकनीकी बोली **दिनांक 08.05.2026 को अपराह्न 04:30** बजे उपर्युक्त पत्ते पर आवेदकों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएगी।

कृपया कोई दलाल या बिचौलिया न आएं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या सरकारी / अर्ध-सरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई भी कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है।

दिनांक: 18.04.2026 **क्षेत्र प्रमुख**
चेन्नई

एक हजार करोड़ रुपये की लागत से 400 'सीएम-राइज' विद्यालय होंगे स्थापित : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । जोधपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र लूणी के धवा, लूणी और केरू ब्लॉक की राजकीय एवं गैर राजकीय संस्था प्रधान सत्रारंभ वाक्पीठ 2026 का उद्घाटन समारोह शुक्रवार को ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर बोरानाडा में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार शैक्षणिक उन्नयन के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। बजट घोषणा के अनुरूप विद्यालयों के अवसंरचना विकास के लिए 2 हजार करोड़ रुपये की राशि से विद्यालय आधारभूत संरचना कोष की स्थापना की जाएगी। पटेल ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 51 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 500 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू की जायेगी। उन्होंने कहा 'स्कूल टू वर्क' व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जिले में एक विद्यालय को उन्नत व्यावसायिक उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत किया जाएगा।

पटेल ने कहा इस वर्ष लगभग 250 करोड़ रुपये की लागत से 40 लाख से अधिक जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए डीबीटी की जायेगी। उन्होंने कहा कि घुमन्तू एवं अर्द्ध-घुमन्तू समुदाय के बच्चे औपचारिक शिक्षा से वंचित न रह जाएं, इसलिए 'राज पहल' कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जिले में एक 'स्कूल ऑन व्हील्स' स्थापित किया जायेगा। उन्होंने कहा प्रदेश के एक हजार विद्यालयों में एआई आधारित पर्सनलाइज्ड लर्निंग लैब्स की स्थापना की जायेगी। उन्होंने कहा एक हजार करोड़ रुपये की लागत से 400 विद्यालयों को 'सीएम-राइज' स्कूलों में क्रमोन्नत किया जाएगा।

विधि मंत्री ने कहा सभी सीबीईओ अपने-अपने ब्लॉक के सभी विद्यालयों में लंबित पेयजल एवं विद्युत कनेक्शन करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विद्यालयों में सर्वे कर शौचालयों विहीन विद्यालयों की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। पटेल ने नामांकन बढ़ाने, अनुपयोगी सामान की नीलामी करने, रंग - रोगन करने, विद्यालय परिसर में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय में सह शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन करने, शाला दर्पण मॉड्यूल अपडेट करने, फ्लैगशिप योजनाओं से पात्र बच्चों को जोड़ने, पीटीएम एवं एसएमसी की बैठक का समयबद्ध आयोजन करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

पटेल ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को सभी विद्यालयों में जल संचयन, पाइपलाइन और नल कनेक्शन की स्थिति का सर्वे कर रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने डिस्कॉम के अधिकारियों को विद्यालय परिसर के निकट खुले एवं ढीले तार, जर्जर पोल की मरम्मत करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

मां ने अपनी चार-वर्षीय बेटी की गला घोंटकर हत्या की, फिर आत्महत्या का प्रयास किया

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में शुक्रवार सुबह चार-वर्षीय एक बच्ची की उसकी मां ने कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी और बाद में अपनी कलाई काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना राजगढ़ थाने के पुराने राजगढ़ इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, बच्ची की पहचान गरिमा (चार) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया, सुबह जब बच्ची के पिता संतोष ने उसे स्कूल भेजने के लिए कमरा खोला तो वह बेहोश मिली। उसे तुरंत राजगढ़ के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि संतोष की पत्नी शीला (25) भी कमरे में बेहोश मिली। उसे पहले एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में अलवर के जिला अस्पताल भेज दिया गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच से पता चलता है कि महिला पिछले दो साल से मानसिक तनाव से जूझ रही थी और अक्सर अजीबोगरीब हरकतें करती थी। पुलिस ने यह भी कहा कि घटना के पीछे की असली वजह का पता अभी तक नहीं चल पाया है। थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिला के होश में आने के बाद उससे आगे की पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने बताया कि हत्या और आत्महत्या की कोशिश सहित सभी पहलुओं से मामले की जाँच की जा रही है।

सच्ची सेवा वर्दी की मोहताज नहीं होती; अगर इरादा नेक हो, तो हर व्यक्ति समाज में बदलाव ला सकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेशभर में ऐसे कई लोग हैं जो आपदा प्रबंधन के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में, महिला एवं बाल अत्याचार के मामलों में सहित विविध अपराधों की रोकथाम तथा अपराधियों की गिरफ्तारी में सहायक सूचनाएं उपलब्ध कराने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने सहित अन्य प्रकार से पुलिस कार्यों में उल्लेखनीय सहयोग देते हैं। सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने वाले इसी प्रकार के लोगों के कार्यों को प्रोत्साहित करने व अन्य लोगों को भी प्रेरित करने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर राजस्थान पुलिस ने समाज के उन अनसंग हीरोज का सम्मान किया जिन्होंने निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा कर पुलिस का सहयोग किया है।

समारोह की सांस्कृतिक संध्या के दौरान महानिदेशक पुलिस राजीव शर्मा ने सिरोही के प्रकाश प्रजापति, झालावाड़ के सुजीत कश्यप और उदयपुर की सिंधु बिनुजीत को उनके उल्लेखनीय सामाजिक योगदान के लिए राज्य स्तरीय प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डीजीपी शर्मा ने कहा कि पुलिस और समाज के बीच की यह भागीदारी ही एक सुरक्षित और संवेदनशील प्रदेश की नींव है। उन्होंने इन तीनों के कार्यों को पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा का पुंज बताया। शर्मा ने कहा कि पुलिसिंग केवल अपराधियों को पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के साथ मिलकर एक सुरक्षित वातावरण बनाना भी है। उन्होंने प्रकाश प्रजापति, राम कश्यप और सिंधु बिनुजीत के कार्यों को अनुकरणीय बताया।

प्रकाश प्रजापति (सिरोही): 27 वर्षों से मानवता के अनन्य उपासक- सिरोही के समाजसेवी प्रकाश प्रजापति पिछले 27 वर्षों से पुलिस और प्रशासन के 'संकटमोचक' बने हुए हैं। इन्होंने अब तक 1584 लावारिस एवं दुर्घटना में मृत शवों को नि:शुल्क गंतव्य तक पहुंचाया और विधि-विधान से अंतिम संस्कार कर मानवता का फर्ज निभाया। कोरोना काल जब लोग अपनों को छूने से कतरा रहे थे, तब प्रकाश जी ने 360 कोरोना पॉजिटिव शवों का अंतिम संस्कार करवाया। स्वयं देहदान की घोषणा करने के साथ ही इन्होंने 19 अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया है। झालावाड़ के राम कश्यप ने कई मौकों पर 'देवदूत' बनकर लोगों की जान बचाई है। दिसंबर 2025 की कड़ाके की ठंड में झाड़ियों में लावारिस छोड़े गए एक नवजात की जान बचाकर उन्होंने न केवल अस्पताल पहुंचाया बल्कि पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराकर उसे कानूनी संरक्षण दिलाया।

सड़क दुर्घटनाओं से लेकर मेले में हुए हादसों और कोटा रेफर किए गए गंभीर मरीजों के साथ ये साये की तरह खड़े रहे। वर्ष 2022 की बाढ़ के दौरान उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर 15-20 परिवारों को सुरक्षित निकाला। संभाग स्तरीय बाल सुरक्षा सलाहकार सिंधु बिनुजीत ने स्मार्ट पुलिसिंग और बाल संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया है। डूंगरपुर से शुरू हुआ उनका बाल मित्र थाना और सुरक्षित विद्यालय नवाचार पूरे उदयपुर रेंज में मिसाल है। उन्होंने वत्सल वार्ताओं के माध्यम से बच्चों और पुलिस के बीच के डर को आत्मीयता में बदल दिया। यूनिसेफ के साथ मिलकर इन्होंने बी.टी. कॉटन क्षेत्रों में होने वाले बाल श्रम और पलायन को रोकने में निर्णायक भूमिका निभाई, जिसकी सराहना स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा भी की जा चुकी है।

बालोतरा जिला प्रभारी मंत्री ने रिफाइनरी कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 21 अप्रैल को प्रस्तावित पचपदरा रिफाइनरी शुभारंभ कार्यक्रम को लेकर तैयारियों का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में बालोतरा जिला प्रभारी एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने शुक्रवार को रिफाइनरी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों को समय से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने सभा स्थल, मंच निर्माण, पेयजल व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग स्थल, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाएं। बालोतरा प्रभारी मंत्री ने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं पर ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति को देखते हुए सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभा स्थल पर आमजन की सुविधा के लिए छाया, पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सहायता और पार्किंग जैसी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी निर्माण एवं व्यवस्थाओं से जुड़े कार्यों को निर्धारित समय सीमा से पूर्व पूर्ण कर लिया जाए, ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि यह कार्यक्रम क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे सफल बनाने के लिए प्रशासन एवं सभी विभागों को पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से कार्यों की समीक्षा करते रहें और किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर करें। इस अवसर पर बालोतरा जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव, विधायक डॉ. अरुण चौधरी, स्थानीय जनप्रतिनिधि समेत जिला स्तरीय अधिकारी साथ रहे।

पीएम की जनसभा के लिए प्रभारी मंत्री कुमावत ने पीले चावल देकर दिया न्यौता

बालोतरा/दक्षिण भारत। पचपदरा में तेल रिफाइनरी के 21 अप्रेल को प्रस्तावित उदघाटन समारोह व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर जिले में तैयारियाँ तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिला प्रभारी मंत्री व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर आमजन के बीच पहुंचकर पारंपरिक रूप से पीले चावल वितरित कर जनसभा में शामिल होने का न्यौता दिया। प्रभारी मंत्री कुमावत ने विभिन्न स्थानों पर लोगों से जनसंपर्क करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह प्रस्तावित दौरा क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि पचपदरा रिफाइनरी परियोजना से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने पंचायत समिति सभागार में बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा भी की।

नेत्र चिकित्सा सेवा आध्यात्मिक साधना : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अशोका फाउण्डेशन द्वारा यहां नृसिंह मंदिर में आयोजित 150वें नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। स्पीकर देवनानी ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नेत्र चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद एवं निर्धन वर्ग के लोगों को नि:शुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा मिलती है, जो एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि नेत्र चिकित्सा सेवा आध्यात्मिक साधना है। देवनानी ने नृसिंह मंदिर में दर्शन और पूजा कर प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज में सच्चा और स्थायी परिवर्तन सरकारी नीतियों या योजनाओं से अकेले नहीं आता है बल्कि यह ऐसे निस्वार्थ सेवा-भाव, समर्पण और हर व्यक्ति के भीतर अपने कर्तव्य व मानवता के प्रति जागरूकता का संचार करने के सामूहिक प्रयासों से आता है। जब समाज जागरूक होकर, आगे बढ़कर सेवा का कार्य करता है, तब ही राष्ट्र सशक्त, समृद्ध और संस्कारवान बनता है।

देवनानी ने कहा है कि यह 150वाँ शिविर केवल एक उपलब्धि का उत्सव नहीं है, बल्कि सेवा यात्रा का महत्वपूर्ण पडाव है। यह हमें प्रेरित करता है कि सेवा का यह पावन दीपक कभी बुझने न पाए। इसे और अधिक प्रज्ज्वलित करना है साथ ही अधिक से अधिक लोगों की मदद करनी है। उन्होंने कहा कि यदि हम गहराई से देखें तो यह नेत्र चिकित्सा सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं बल्कि आध्यात्मिक साधना है। जब किसी की आंखों में प्रकाश लौटता है, तो वह व्यक्ति केवल बाहरी दुनिया को नहीं देखता वह अपने भीतर के अस्तित्व को, अपने जीवन के सार्थक आयामों को और ईश्वर की अनंत कृपा को भी नए सिरे से अनुभव करता है। सेवा और साधना यहां एकाकार हो जाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए देवनानी ने उनके प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

सीजीडी संस्थाएं जिला प्रशासन से समन्वय बनाते हुए शिविर लगाकर डीपीएनजी कनेक्शन जारी करें : अपर्णा अरोरा

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने राज्य की सीजीडी संस्थाओं को अवेयरनेस अभियान चलाकर क्षेत्रवासियों को पाईप लाईन से घरेलू गैस सुविधा डीपीएनजी से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीजीडी संस्थाएं पीएनजी आधारभूत संरचना क्षेत्र की कॉलोनियों को चरणवद्ध तरीके से एलपीजी फ्री जोन घोषित करने की कार्ययोजना बनाएं ताकि हरित ऊर्जा से जोड़ते हुए 24 गुणा 7 सुरक्षित एवं सस्ती गैस सुविधा से जोड़ा जा सके।

एसीएस खान एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा शुक्रवार को सचिवालय के मंथन कक्ष से राज्य की सीजीडी संस्थाओं से वर्चुअली संवाद कर रही थी।

उन्होंने कहा कि सीजीडी संस्थाओं को एक और आधारभूत संरचना विकसित करने के कार्य में तेजी लानी होगी वहीं उपलब्ध क्षेत्रों में डीपीएनजी सुविधाओं से क्षेत्रवासियों को जोड़ना होगा। उन्होंने बताया कि केन्द्र व राज्य सरकार पीएनजी सुविधाओं के विस्तार और एलपीजी से डीपीएनजी कनेक्शन जारी कराने पर फोकस कर रही है। गत 15 दिनों में सीजीडी संस्थाओं द्वारा करीब 6 हजार से अधिक परिवारों को नए डीपीएनजी कनेक्शन जारी किये गए हैं वहीं आगामी 15 दिनों में करीब 8500 परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ा जाएगा। श्रीमती अरोरा ने जिला कलक्टरों से सीजीडी संस्थाओं के साथ तत्काल व नियमित मीटिंग करने, जिला प्रशासन की और से नोडल अधिकारी लगाने और जहां आधारभूत संरचना विकसित है वहां सीजीडी संस्थाओं से कालोनी या क्षेत्र अनुसार शिविर कार्यक्रम जारी कराकर वहां के निवासियों को डीपीएनजी कनेक्शनों से जुड़वाने के निर्देश दिए।

राज्य की विधायी कार्यप्रणाली को निकटता से समझेंगे विदेशी प्रतिनिधि

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि शनिवार 18 अप्रैल को विश्व के विभिन्न देशों के प्रतिभागी राजस्थान विधान सभा का अवलोकन करेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में बांग्लादेश, भूटान, घाना, केन्या, श्रीलंका, तंजानिया, ज़ाम्बिया सहित 17 देशों के 43 प्रतिभागी भाग लेंगे। 37 वां अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा - स्पीकर देवनानी ने बताया कि लोकसभा सचिवालय के पार्लियामेंट्री रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीटयूट फॉर डेमोक्रेसिस द्वारा इन्टरनेशनल लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग विषय पर विधायी मसौदा तैयार करने के लिए 37वां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान विधान सभा में किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना के अंतर्गत संचालित हो रहा है। देवनानी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी प्रतिभागियों के लाभ के लिए विधायी मसौदा तैयार करने के वैचारिक ज्ञान, कौशल और तकनीकी को बढाना है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत 18 अप्रैल को विदेशी प्रतिनिधियों का दल राजस्थान विधानसभा के सदन, भवन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का भ्रमण करेगा। इससे राज्य विधानमण्डल कि पहचान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हो सकेगी। देवनानी ने बताया कि विदेशी प्रतिभागियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से परिचित कराने हेतु स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा। इस यात्रा से विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली और राज्यों की विधायी कार्यप्रणाली को निकट से समझने का अवसर मिलेगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संसदीय सहयोग एवं ज्ञान का आदान-प्रदान सुदृढ़ होगा।

सड़क हादसे में डॉक्टर की मौत

पाली। राजस्थान के पाली जिले में बृहस्पतिवार देर रात सड़क हादसे में 34 वर्षीय एक डॉक्टर की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा बृहस्पतिवार को देर रात टीपी नगर पुलिस थाना क्षेत्र में नया गांव रोड पर हुआ जब एक डंपर ने कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि टक्कर के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश जारी है और आस-पास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सहायक उप-निरीक्षक ओम प्रकाश चौधरी ने बताया कि डंपर कार के साथ-साथ चल रहा था कि अचानक मुड़ गया। कार चालक ने ब्रेक लगाए लेकिन कार डंपर से टकरा कर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। मृतक की पहचान जालौर जिले के दांता निवासी डॉ. शैलेश बिश्नोई (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पाली के धिंगाना के रहने वाले डॉ. गौरव सिंह (30) के सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

एटीएस राजस्थान और भादरा पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन: फर्जी बायोमेट्रिक्स से आधार बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

जयपुर। राजस्थान में आंतरिक सुरक्षा और साइबर अपराधों के विरुद्ध अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस एवं एजीटीएफ दिनेश एम.एन. के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान को एक बड़ी सफलता मिली है। एटीएस राजस्थान की जयपुर यूनिट को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस और भादरा पुलिस ने एक संयुक्त टीम बनाकर नगरपालिका के समीप स्थित एक अवैध आधार सेंटर पर छापेमारी कर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एडीजी एम एन ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई एटीएस के आईजी राजेश सिंह, डीआईजी योगेश यादव के सुपरविजन और एसपी ज्ञानचंद यादव के नेतृत्व में एटीएस टीम की सक्रियता से सफल हो पाई। एटीएस जयपुर के सहायक उपनिरीक्षक कुलवीर सिंह और हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार को इनपुट मिला था कि भादरा में आर्य समाज धर्मशाला के पास एक सेंटर पर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं, जिसका उपयोग साइबर क्राइम एवं राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में किया जा रहा है।

पुष्टि के बाद एटीएस की इस सूचना पर हनुमानगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा के निर्देशन और पुलिस उप अधीक्षक एससी/एसटी सैल और प्रभारी एजीटीएफ करण सिंह के सक्रिय सहयोग से एटीएस की टीम ने स्थानीय भादरा पुलिस की टीम को साथ लेकर सेंटर पर दबिश दी, तो वहां का नजारा चौंकाने वाला था। आरोपी कुलदीप शर्मा अन्य व्यक्तियों जसवंत और आमिर खां की ऑपरेटर आईडी का अवैध उपयोग कर रहा था।

हरिवंश का तीसरी बार उपसभापति चुना जाना प्रमाण है कि सदन को उन पर कितना भरोसा है : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को हरिवंश को तीसरी बार राज्यसभा का उपसभापति चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि उनका लगातार तीसरी बार इस पद के लिए चुना जाना अपने आप में गहरा प्रमाण है कि सदन को उन पर कितना भरोसा है।

सदन के मनोनीत सदस्य हरिवंश का उपसभापति के पद पर निर्वाचन निर्विरोध हुआ। मोदी ने कहा कि सदन को अतीत में हरिवंश के अनुभव और सभी को साथ लेकर चलने के उनके प्रयासों से काफी लाभ हुआ है। उन्होंने कहा, यह उनके अनुभव और सहज कार्यशैली का सम्मान है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पूर्व में पत्रकार रहे हरिवंश ने पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखा। उन्होंने कहा कि हरिवंश ने अपनी सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एमपी-एलएडी) का उपयोग विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध परियोजनाओं के लिए किया है। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवाओं में विश्वास जगाने में हरिवंश के योगदान की भी सराहना की।

सदन के नेता जेपी नड्डा ने हरिवंश के पक्ष में प्रस्ताव पेश किया जिसे सदन ने ध्वनि मत से पारित कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हरिवंश का निर्वाचन उन पर सदन के गहरे विश्वास और संस्था में उनके बहुमूल्य अनुभव को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उनका लगातार तीसरी बार उपसभापति चुना जाना

सदन द्वारा उनके अनुभव, समावेशी दृष्टिकोण और गरिमामय कार्यशैली की स्वीकृति है। मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती 17 अप्रैल के विशेष महत्व को रेखांकित किया। हरिवंश और चंद्रशेखर के घनिष्ठ संबंधों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उपसभापति ने उनकी राजनीतिक यात्रा में उनके सहयोगी के रूप में कार्य किया और उनके जीवन पर पुस्तकें भी लिखीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रशेखर की जयंती पर अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत करना इस अवसर को विशेष रूप से सार्थक बनाता है।

पत्रकारिता में हरिवंश के शानदार करियर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने उच्च मानकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और प्रभावशाली लेखन की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने बताया कि गुजरात में अपने कार्यकाल के दौरान भी वह नियमित रूप से हरिवंश के लेख पढ़ते थे, जो गहन अध्ययन और दृढ़ विश्वास को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा कि उनके लेखन में खरापन था, लेकिन उनका भाषण और व्यवहार हमेशा सौम्य और विनम्र रहा।

प्रधानमंत्री ने पत्रकारिता के दिनों में हरिवंश द्वारा लिखित 'हमारा सांसद कैसा हो' नामक स्तंभ शृंखला के माध्यम से किए गए उनके अग्रणी कार्य को रेखांकित किया।

राहुल गांधी के खिलाफ दोहरी नागरिकता मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ शुक्रवार को दोहरी नागरिकता के कथित विवाद के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (प्राथमिकी) दर्ज होने के बाद राज्य सरकार किसी भी केंद्रीय एजेंसी को मामले की जांच करने का निर्देश दे सकती है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश जारी किया। याचिकाकर्ता ने 28 जनवरी, 2026 को विशेष सांसद-विधायक अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के उनके अनुरोध को खारिज कर दिया गया था। सांसद/विधायक अदालत ने कहा था कि यह अदालत नागरिकता के मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए सक्षम नहीं है।

सरकार योग्यता आधारित शासन के लिए प्रतिबद्ध हैं : पेमा खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को विभिन्न विभागों में भर्ती किए गए 461 लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार योग्यता आधारित शासन के लिए प्रतिबद्ध है। इन उम्मीदवारों की भर्ती अरुणाचल प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (एपीएसएसबी) द्वारा आयोजित संयुक्त माध्यमिक स्तरीय परीक्षा (सीएसएलई) 2025 के माध्यम से की गई। खांडू ने कहा कि राज्य एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण कर रहा है जहां योग्यता का सम्मान किया जाता है, मेहनत का फल मिलता है और ईमानदारी से कोई समझौता नहीं किया जाता। सात उपायुक्त कार्यालयों सहित 26 विभागों में ग्रुप-सी और ग्रुप-डी पदों के लिए कुल 47,132 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी। मुख्यमंत्री ने चयनित उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता कड़ी मेहनत, समर्पण और लगन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त कर्मचारी विकसित अरुणाचल प्रदेश के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि एपीएसएसबी ने पारदर्शी और योग्यता-आधारित भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की है तथा राज्य में सुशासन को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण संस्था बनकर उभरा है।

बंगाल चुनाव पहला चरण : कई प्रत्याशियों की संपत्ति में 2021 के मुकाबले वृद्धि, शुभेंदु की संपत्ति घटी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की जंगीपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जाकिर हुसैन ने 2021 के विधानसभा चुनावों में 67 करोड़ रुपये की संपत्ति होने की घोषणा की थी और अब पांच साल बाद, 2026 के चुनावी हलफनामे में उन्होंने 133 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का उल्लेख किया है। पांच सालों में हुसैन की संपत्ति लगभग दोगुना बढ़ी है और इसी के साथ वह 2026 के चुनाव में सबसे धनी उम्मीदवारों में शामिल हैं। संपत्ति में इजाफे के मामले में वह अकेले नहीं है। भाजपा के पुरुलिया विधायक सुदीप कुमार मुखर्जी, जो इस सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं, की संपत्ति 2021 के 45 लाख रुपये से बढ़कर 2026 में 11 करोड़ रुपये पहुंच गई है, यानी संपत्ति में 2,344 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में कई प्रमुख उम्मीदवार जोकि फिर से जीत के लिए मैदान में हैं, ने अपनी संपत्ति में भारी वृद्धि की घोषणा की है। उनके हलफनामों से संकलित आंकड़ों से यह पता चलता है।

मैं अपनी पत्नी के पैर छूता हूं, विपक्षी नेताओं को भी छूना चाहिए: रवि किशन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और अभिनेता रवि किशन ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि वह अपनी पत्नी के पैर छूते हैं क्योंकि संघर्ष के दिनों में वह उनके साथ खड़ी रहीं। गोरखपुर से लोकसभा सदस्य ने महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित विधेयकों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं को भी अपनी पत्नियों के पैर छूने चाहिए और यदि वे ऐसा करेंगे तभी 'रवि किशन' बनेंगे और दुनिया उन्हें जानेगी। उन्होंने कहा, ''मुझे लाखों वोट मिलता है। उसमें एक-डेढ़ लाख मेरी धर्मपत्नी लाती हैं। मैं उनके पैर छूता हूं...पैर क्यों नहीं छूना चाहिए। जब मैं सिनेमा में संघर्ष कर रहा था तो उन्होंने गरीबी में मेरा साथ दिया। मैं उनके पैर क्यों नहीं छूऊंगा?'' उन्होंने कहा, ''मेरी पत्नी पैर नहीं छूने देती हैं, लेकिन जब वह गहरी नींद में होती हैं तब मैं पैर छूता हूं।'' रवि किशन ने कहा, ''विरोधियों को भी छूना चाहिए। तभी वे रवि किशन बनेंगे और दुनिया जानेगी।''

बलिया में नाबालिग लड़की को अगवा कर एक साल तक दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक नाबालिग लड़की को कथित रूप से अगवा कर गुजरात ले जाकर तकरीबन एक साल तक दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की को एक साल पहले आरोपी ने अपहृत कर लिया था और इस मामले में लड़की की मां की तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के खिला भारतीय न्याय संहिता की अपहरण की धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने 14 अप्रैल को गुजरात के अहमदाबाद जिले के बावला थाना क्षेत्र से ज्ञान तिवारी उर्फ ज्ञान सिंह (30) को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से अपहृत नाबालिग लड़की को मुक्त करा लिया। सिंह ने बताया कि नाबिलग लड़की ने पुलिस को बयान दिया कि उसे ज्ञान तिवारी ने अगवा किया था और उसे गुजरात ले आकर तकरीबन एक साल से वह उससे दुष्कर्म कर रहा था। नाबालिग लड़की के बयान के आधार पर मुकदमे में दुष्कर्म और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की सुसंगत धारा जोड़ी गई है।

तृणमूल कांग्रेस ने घुसपैठियों को मतदाता के रूप में शामिल करने की साजिश रची : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में घुसपैठियों के नाम शामिल करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को दावा किया कि यद्यपि पार्टी (तृणमूल) विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रही है, लेकिन जिन लोगों के नाम उचित कारणों से हटाए गए थे, उन्होंने कोई विरोध नहीं किया।

फडणवीस ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से बाहर हुए लोगों की शिकायतों को दूर करने के लिए संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''जिनके नाम उचित कारणों से हटाए गए थे, उन्होंने विरोध नहीं किया, फिर तृणमूल कांग्रेस को ही क्यों आपत्ति है? उच्चतम न्यायालय ने भले ही विशेष गहन पुनरीक्षण पर कुछ टिप्पणियां की है, लेकिन इसपर रोक नहीं लगाई थी। इसके बावजूद तृणमूल पूरी प्रक्रिया को रोकना चाहती थी।'' उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण में संवैधानिक प्रावधान हैं जिसके तहत पीड़ित व्यक्ति न्याय मांग सकता है और कानूनी सहारा ले सकता है तथा वह इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेश का स्वागत करते हैं। फडणवीस ने कहा कि इस प्रकार की प्रक्रिया हर 10 वर्ष में की जानी चाहिये ताकि मृत, स्थानांतरित और अनधिकृत मतदाताओं के नाम हटाए जा सके।

मसाला क्षेत्र की अप्रयुक्त संभावनाओं का पता लगाएं: चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को भारत में मसाला क्षेत्र की अप्रयुक्त संभावनाओं को तलाशने का आह्वान किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण नवाचार और वैश्विक बाजार से एकीकरण का लाभ उठाते हुए मूल्य आधारित परिवेश पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। पासवान ने गुणवत्ता मानकों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत पर भी जोर दिया और कहा कि वैश्विक भरोसा बनाने तथा निर्यात अस्वीकृति से बचने के लिए गुणवत्ता बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

परिसीमन विधेयक के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ना बीजू बाबू को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी : नवीन पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा संसद में परिसीमन विधेयक पारित करने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों से 'ओडिया स्वाभिमान' को भारी खतरे का सामना करना पड़ रहा है और इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ना बीजू पटनायक को ''सबसे बड़ी श्रद्धांजलि'' होगी।

पटनायक ने अपने पिता बीजू पटनायक की 29वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। वह दिल्ली से ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। पटनायक ने कहा, ''बीजू बाबू ओडिया गौरव के प्रतीक थे। आज उनकी पुण्यतिथि पर, ओडिशा के हितों की रक्षा के लिए हमारा एकजुट

संघर्ष ही उन्हें सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी।'' बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख पटनायक प्रस्तावित संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 का कड़ा विरोध कर रहे हैं और उन्होंने आगाह किया कि परिसीमन विधेयक के पारित होने से ओडिशा के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आर्थिक हितों को नुकसान पहुंच सकता है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा 16 अप्रैल को निचले सदन में पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करना है। पटनायक ने कहा, ''वर्तमान प्रस्ताव सहकारी संघवाद की भावना को कमजोर करता है। ओडिशा में फिलहाल 21 लोकसभा सीटें हैं (कुल 543 सीटों में से लगभग 3.9 प्रतिशत)। प्रस्तावित विस्तार के तहत कुल सीटों की संख्या बढ़कर लगभग 850 हो सकती है, जिससे ओडिशा की सीटों की संख्या 29 हो जाएगी, लेकिन आनुपातिक हिस्सेदारी घटकर 3.4 प्रतिशत रह जाएगी, जो लगभग 15 प्रतिशत की सापेक्षिक गिरावट है। यह घोर अन्याय है।'' पटनायक ने आरोप लगाया कि ओडिशा लगातार केंद्र सरकारों की उपेक्षा का शिकार रहा है। उन्होंने कहा, ''अब परिसीमन विधेयक ने ओडिशा की राजनीतिक पहचान पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। आज 'ओडिया स्वाभिमान' खतरे में है। अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर अपने प्रिय ओडिशा के लिए संघर्ष करें।''

भाजपा महिला आरक्षण विधेयक की आड़ में परिसीमन विधेयक ला रही है : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कूच बिहार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार संसद में महिला आरक्षण कानून में प्रस्तावित संशोधन का इस्तेमाल परिसीमन विधेयक के लिए आवरण के रूप में कर रही है, जो देश को टुकड़ों में बांट देगा। उन्होंने यहां एक चुनावी रैली में कहा कि तृणमूल कांग्रेस इस कदम का हर स्तर पर विरोध करेगी।

लोकसभा में बृहस्पतिवार को संविधान का 131वां संशोधन विधेयक पेश किया गया जिसका उद्देश्य महिला आरक्षण कानून में संशोधन के साथ-साथ परिसीमन और केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक में बदलाव करना है। इन विधेयकों के जरिए दिल्ली, पुडुचेरी

और जम्मू-कश्मीर में संशोधित महिला आरक्षण कानून को लागू करने का प्रस्ताव है।

संविधान संशोधन विधेयक के अनुसार, 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया के बाद 2029 के आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण कानून को कार्यान्वित करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 की जाएंगी।

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी सीटों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

केंद्र के इस कदम का विरोध करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने महिला आरक्षण विधेयक को आगे रखकर परिसीमन विधेयक पेश किया है। उन्होंने कहा, भाजपा परिसीमन विधेयक के जरिए लोकसभा सीटों की संख्या करीब 850 तक बढ़ाने की कोशिश कर रही है। यह देश टुकड़ों में बांट देगा।

केंद्र सरकार पर विधेयक पेश करने को लेकर विधि विरुद्ध कार्य करने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा, एक पूर्व सांसद के रूप में मैं जानती हूं कि संविधान संशोधन विधेयक बिना दो-तिहाई बहुमत के पारित नहीं हो सकता।

बनर्जी ने कूचबिहार की रैली में कहा कि उन्हें अपने सांसदों से जानकारी मिली है कि इन विधेयकों को साधारण बहुमत से पारित कराने की कोशिश की जा रही है।

चुनाव से पहले आयकर विभाग का टीएमसी उम्मीदवार, ममता के नामांकन के प्रस्तावक से जुड़े परिसरों पर छापा

कोलकाता/भाषा। आयकर विभाग ने रासबिहारी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे तृणमूल कांग्रेस के विधायक देबाशीष कुमार के आवास और भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उम्मीदवारी के प्रस्तावक मिराज शाह के आवास समेत शहर में कई स्थानों पर शुक्रवार को तलाशी अभियान चलाया। तृणमूल ने आरोप लगाया कि 23 और 29 अप्रैल को मतदान से कुछ दिन पहले की गई छापेमारी का मकसद पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी को परेशान करना और डराना था। आयकर विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आयकर अधिकारियों के विभिन्न समूहों ने सुबह करीब छह बजे कुमार के आवास, चुनाव कार्यालय और उनसे जुड़ी कई अन्य संपत्तियों पर तलाशी शुरू की और छापेमारी जारी है। एक साथ तलाशी अभियान के तहत, दक्षिण कोलकाता के एल्गिन रोड स्थित मिराज शाह के आवास पर भी तलाशी ली गई।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी देने का आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले सम्राट चौधरी को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी शेखर यादव (32), जो अहमदाबाद के साणंद तालुका का निवासी और बिहार के बांका जिले का मूल निवासी है, को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए अहमदाबाद (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओम प्रकाश जाट ने बताया कि यादव ने कथित तौर पर पिछले मंगलवार को सम्राट चौधरी के कार्यालय में फोन किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। धमकी के एक दिन बाद सम्राट ने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद बिहार के मुंगेर जिले के संग्रामपुर पुलिस थाने में आपराधिक धमकी की धारा समेत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

फिल्मों में मेरे किरदारों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी: हेमा मालिनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने शुक्रवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संशोधन विधेयकों का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्मों में ऐसे कई किरदार किए हैं जिनसे महिलाओं, खासकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिली।

हेमा ने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा, ''फिल्मों में पहले लड़कियां काम नहीं करती थीं। पुरुष ही महिलाओं के वस्त्र पहनकर काम करते थे। बाद में मीना कुमारी, नरगिस और मधुबाला जैसी अभिनेत्रियां आईं।'' हेमा मालिनी ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में अभिनेत्री और नृत्यांगना के रूप में बहुत संघर्ष किया है और तब उन्हें यह पहचान मिली है। उन्होंने कहा, ''मेरी पहली फिल्म 'सपनों का सौदागर' में मैंने बंजारन की भूमिका निभाई थी। उसके बाद 'सीता और गीता' में गीता के किरदार को सब जानते हैं। 'शोले' में बसंती का प्रसिद्ध किरदार किया जो तांगे चलाकर जीवनयापन करने वाली महिला थी। एक फिल्म में पुलिस अधिकारी की भूमिका की।'' हेमा ने कहा, ''मैंने ऐसे कई किरदार किए जिससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की पेरणा मिली।''

न्यायालय ने पवन खेड़ा को राहत देने से इनकार किया, असम की अदालत का रुख करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर लगाए गए आरोपों को लेकर उनके खिलाफ दर्ज मामले में 20 अप्रैल तक गिरफ्तारी से संरक्षण देने का अनुरोध किया था।

शीर्ष अदालत ने खेड़ा से कहा कि वह इस मामले में अग्रिम जमानत के लिए असम की सक्षम अदालत का रुख करें। उसने स्पष्ट किया कि राज्य की अदालत खेड़ा की याचिका

पर बिना किसी प्रतिकूल टिप्पणी (यदि कोई हो) पर ध्यान दिए सुनवाई करेगी, चाहे वह इस न्यायालय द्वारा की गई हो या तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा। खेड़ा ने पांच अप्रैल को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि हिमंत की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा के पास कई पासपोर्ट और विदेश में संपत्तियां हैं, जिनका जिक्र मुख्यमंत्री ने नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों के लिए दाखिल अपने चुनावी हलफनामे में नहीं किया है। हिमंत और रिंकी ने इन आरोपों को झूठा एवं मनगढ़ंत बताया था। न्यायालय का ताजा आदेश इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने 15 अप्रैल को असम सरकार की याचिका पर संज्ञान लेते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय की ओर से खेड़ा को दी गई एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत के लगातार दो आदेश-पहला, तेलंगाना उच्च न्यायालय की ओर से दी गई ट्रांजिट जमानत पर रोक और दूसरा, 20 अप्रैल तक गिरफ्तारी से संरक्षण देने से इनकार, असम पुलिस को कांग्रेस नेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का रास्ता दे सकते हैं।

क्रिकेट सत्र के बीच रिहैब के लिये घर पर रहना कठिन था : जोश हेजलवुड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलुरू/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि 'रिहैबिलिटेशन' (चोट के बाद उबरना) की प्रक्रिया उनके लिये कठिन थी हालांकि उन्होंने कहा कि 35 वर्ष की उम्र में चोट के बाद वापसी के लिये इंतजार करना जरूरी है। नवंबर 2025 से कई चोटों से उबर रहे हेजलवुड ने पिछले सप्ताह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आरसीबी के मैच के दौरान वापसी की।

उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पूर्व कहा, '' इस बार काफी लंबे समय तक मैदान से दूर रहा। क्रिकेट चालू रहते घर पर बैठकर रिहैब कराना कठिन था, खासकर

एशेज और विश्व कप के बीच। मैं जल्दी से जल्दी वापसी करना चाहता था लेकिन हड़बड़ाना नहीं था।'' रॉयल्स के खिलाफ मैच में हेजलवुड ने चार ओवर में 20 रन देकर एक विकेट लिया था। उन्होंने कहा,'' मैने अपनी ओर से सब कुछ झोंक दिया। रॉयल्स के खिलाफ मैच से चार पांच दिन पहले मुझे लगा कि मैं तैयार हूं। टी20 में अभ्यास के दौरान उस तरह से खेलने की जरूरत है जो मैच में चाहिये और मैने वही किया।''

सुविचार

मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। आज का पसीना कल की मुस्कुराहट की नींव रखता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देश में यह क्या हो रहा है?

अभी टीसीएस वाला मामला शांत नहीं हुआ था कि अमरावती से एक मामला और आ गया। पुलिस ने कई युवकों को नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करने और उनके आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। देश में यह क्या हो रहा है? अब तो आए दिन ऐसी ही खबरें पढ़ने को मिल रही हैं! क्या ऐसी घटनाएं सिर्फ कानूनी कार्रवाई से रुक जाएंगी? एक समाज के तौर पर हम किस दिशा में जा रहे हैं? अगर यही चलता रहा तो समाज का भविष्य क्या होगा? देश का भविष्य क्या होगा? अमरावती मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की तस्वीरें देखकर लगता है कि उन्हें न तो कोई डर है और न अपने कृत्य पर कोई पछतावा है। आज माता-पिता के तौर पर, समाज के जिम्मेदार लोगों के तौर पर हमें कई सवालों पर गंभीरता से विचार करना होगा। आखिर क्या वजह है कि हमारी बेटियां ऐसे हैवानों के जाल में इतनी आसानी से फंस रही हैं? इस सवाल को यह कहकर खारिज नहीं कर सकते कि 'सबके साथ ऐसा नहीं होता।' क्या इस सवाल पर तभी सोच-विचार करना चाहिए, जब घर की किसी बेटी पर आंच आए? अन्य घरों की बेटियां भी हमारी बेटियां हैं। क्या उनकी सुरक्षा के लिए सबको चिंतन नहीं करना चाहिए? हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि हद से ज्यादा आज़ादी घातक होती है। बच्चों को आज़ादी जरूर दें। उन पर कोई चीज थोपें नहीं, लेकिन उन्हें सही-गलत का बोध भी कराएं। उन्हें बताएं कि यह दुनिया बॉलीवुड की कोई फिल्म नहीं है कि यहां वायलिन बजते ही ठंडी हवाएं चलने लगेंगी, आसमान से गुलाब के फूल बरसने लगेंगे और सबकुछ अच्छा हो जाएगा।

इन दिनों जैसी खबरें आ रही हैं, उनके आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि इन्सानों के वेश में कई हैवान घूम रहे हैं। उनका काम ही यह है कि किसी भी तरह से दूसरों की बहन-बेटियों को प्रेमजाल में फंसाएं और अपनी गंदी इच्छाएं पूरी करें। पहले, ऐसी घटनाएं कम ही सुनने को मिलती थीं। तब सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होते थे, लेकिन बच्चों पर नजर रहती थी। किसी का लड़का कहीं आवारा घूमता, गलत गतिविधि करता दिख जाता तो उसकी सूचना घर पर पहुंचा दी जाती थी। कई बार तो ऐसा होता कि लड़का बाद में घर पहुंचता, उसकी सूचना देने वाले पहले पहुंच जाते थे। जिन लड़कों को गुटखा, बीड़ी आदि की आदत होती, वे आस-पास की दुकानों से खरीदने से डरते थे, क्योंकि दुकानदार उनके दादा या पिता के सामने पूरी पोल-पट्टी खोल देता था। जो विद्यार्थी अपनी कक्षाएं छोड़कर कहीं मटरगश्ती करने चले जाते, उन्हें सबसे ज्यादा डर इस बात का होता था कि कहीं कोई परिचित न देख ले। सिनेमा हॉल के आस-पास या उसके रास्ते में किसी परिचित की दुकान होती तो ऐसे विद्यार्थियों के लिए उनकी आंखों में धूल झोंक पाना लगभग असंभव था। फिल्म बाद में पूरी होती, उससे पहले पिताजी या शिक्षक सिनेमा हॉल के द्वार पर 'स्वागत-सत्कार' करने के लिए पहुंच जाते थे। हालांकि बिगड़ने वाले बच्चे उस समय भी बिगड़ते थे, लेकिन जैसी घटनाएं अब हो रही हैं और इतनी ज्यादा हो रही हैं, तब ऐसी न के बराबर होती थीं। अब किसी का लड़का दोस्तों के साथ ठेके पर चला जाए, किसी की बेटी संदिग्ध लोगों के साथ मॉल में घूमती नजर आए और कोई शुभचिंतक उनके माता-पिता को सूचित कर दे तो वे उल्टे उसे ही फटकार लगा देंगे- 'अपने काम से काम रखें, आपको हमारे बच्चों की पर्सनल लाइफ से क्या मतलब है?' ब्याह-शादियों में लोग पहले भी खूब नाचा करते थे, लेकिन कुछ मर्यादाएं थीं। उस घर में बहन-बेटियों के लिए एक जगह निश्चित कर दी जाती थी। जब वहां नाच-गाना होता तो बड़े-बूढ़े उधर बिल्कुल नहीं जाते थे। आज लोग सड़कों पर किस तरह नाच रहे हैं? वीडियो वायरल करने के लिए कैसी हरकतें कर रहे हैं? पहले हमें मर्यादा में रहना सीखना होगा। अगर हमने व्यक्ति, परिवार और समाज के स्तर पर अपने लिए मर्यादाओं का निर्धारण कर लिया तो कोई व्यक्ति अमरावती कांड जैसी घटनाओं को अंजाम देने का दुस्साहस नहीं कर पाएगा।

ट्वीटर टॉक

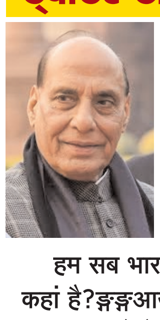

विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) देश के प्रधानमंत्री के बारे में जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, और उनकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। इस देश के लोगों ने उन्हें प्रधानमंत्री बनाया है; उन्होंने हमारी पार्टी को इतनी ताकत दी है।

-राजनाथ सिंह

हम सब भारत माता के बेटे हैं, भेदभाव का सवाल ही कहां है?ङ्गङ्गआज जो भ्रम फैलाया जा रहा है कि दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय होगा, वह भी पूरी तरह से बेबुनियाद है। आंकड़े साफ दिखाते हैं कि सीटों का विस्तार पूरी तरह से आनुपातिक और न्यायसंगत होगा।

-शिवराजसिंह चौहान

कांग्रेस पार्टी महिला रिज़र्वेशन की सबसे मज़बूत सपोर्टर है, और यह हमेशा से कांग्रेस का विज़न रहा है। पिछले 25-30 सालों में लाखों महिलाओं को ज़मीनी स्तर पर पॉलिटिकल लीडरशिप में लाने का क्रेडिट स्वर्गीय राजीव गांधी और कांग्रेस पार्टी को जाना चाहिए।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

वर्चस्व की गरिमा

एक सरोवर में कमल खिला। उसने अपनी गरिमा को देखा और गर्व सहित बोला, 'दिशाओ मेरा नमन करो। संसार में श्रेष्ठता-सम्पन्न के अभिवादन का जो क्रम चला आ रहा है, क्या तुम उसे नहीं जानतीं?' कमल की गर्वोक्ति सूरज ने भी सुनी। वह आसमान से अकड़ कर चिल्लाया, 'दिशाओ! इसके बहकावे में मत आना वर्चस्व का स्रोत मैं हूं। मेरे कारण ही तो यह विकसित हो सका है।' दिशाएं हंस पड़ीं, उन्होंने दोनों पर व्यंग्य करते हुए कहा, 'घमंडियो! वर्चस्व तुम्हारे पास नहीं, वह जहां है, वहां चुपचाप अवस्थित है, इसे इस तरह अपनी गरिमा बखाननी नहीं पड़ती।' सच्चे धर्म को अपना प्रतिपादन नहीं करना पड़ता, उसकी गरिमा को लोग स्वतः स्वीकारते हैं।

सामयिक

क्या 'सम्राट' संभाल पाएंगे नीतीश के भरोसे की विरासत?

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है।

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के विकास' और भाजपा की वैचारिक प्रखरता' का संगम हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी आक्रामक छवि' को अब प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे।

चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा।

बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी।

सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती। सम्राट चौधरी की कहानी एक ऐसे संघर्षशील नेता की है, जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनकी असली परीक्षा अब शुरू होने जा रही है। क्या वे बिहार को 'बीमारू' छवि से पूर्णतः मुक्त कर 'विकसित बिहार' के संकल्प को सिद्ध कर पाएंगे? यह भविष्य के गर्भ में है मगर फिलहाल बिहार की सत्ता का यह नया सम्राट' चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा है। सम्राट चौधरी के पास अवसर भी है और चुनौती भी, अब यह उनके नेतृत्व पर निर्भर करेगा कि वे इस अवसर को इतिहास में कैसे दर्ज कराते हैं।

नजरिया

अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है।

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियों के प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है। अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिए इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरुआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है। अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। अक्षय शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है। इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान वार्ता के अगले दौर की तैयारी शुरू की: अधिकारी

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली महत्वपूर्ण वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी की तैयारी शुरू कर दी है। यह वार्ता पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण शांति समझौते को लेकर हो रही है, जिसने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अमेरिका और ईरान ने सप्ताहांत में पाकिस्तान में अप्रत्याशित रूप से प्रत्यक्ष वार्ता की थी, जिसका उद्देश्य संघर्ष की समाप्ति था, लेकिन यह बातचीत रविवार तड़के बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई।

पाकिस्तान में आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि दोनों पक्षों को फिर से वार्ता की मेज पर लाने के लिए तेज कूटनीतिक गतिविधियां शुरू की गईं। दोनों देशों द्वारा अस्थायी दो सप्ताह के युद्धविराम का पालन जारी रखने से पाकिस्तान को अपनी मध्यस्थता फिर से शुरू करने का अवसर मिला। सुलह कराने के गुप्त प्रयासों के तहत पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार को तीन देशों की यात्रा पर रवाना हुए, जबकि उसी दिन फील्ड मार्शल आसिम मुनीर तेहरान पहुंचे। प्रधानमंत्री शरीफ सऊदी अरब और कतर के नेताओं से चर्चा के बाद बृहस्पतिवार रात तुर्किये पहुंचे, जबकि फील्ड मार्शल ने ईरान में 24 घंटे से अधिक समय बिताकर वहां के राजनीतिक और सैन्य नेताओं से मुलाकात की। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, पाकिस्तान के असैन्य और सैन्य नेताओं की वार्ताओं के परिणाम पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन बृहस्पतिवार शाम से सुरक्षा अधिकारी अचानक सक्रिय हो गए। इस्लामाबाद के अधिकारियों के अनुसार, ''इस्लामाबाद और पड़ोसी रावलपिंडी में तैयारियां शुरू हो गई हैं और अन्य प्रांतों से हजारों पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के जवान पहुंचने लगे हैं।'' परंपरागत रूप से इस्लामाबाद प्रशासन बड़े सुरक्षा इंतजामों के समय प्रांतों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मांगता है। पहले दौर की वार्ता के दौरान 10,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। ऐसी भी खबरें हैं कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी जिलों के अधिकारियों ने परिवहन कंपनियों से संपर्क कर उन्हें सूचित किया है कि अन्य शहरों से आने वाले या दोनों शहरों से जाने वाले यातायात को भारी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

डुबकी

हरिद्वार में हर की पौड़ी पर वैशाख अमावस्या के मौके पर गंगा में पवित्र डुबकी लगाने के लिए भक्त इकट्ठा होते हैं।

विरोध

नोएडा में विरोध कर रहे फैक्ट्री कर्मचारियों से मिलने जा रहे कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया (मार्क्सवादी) के नेता और जनरल सेक्रेटरी एम.ए. बेबी के नेतृत्व में एक डेलीगेशन और समाजवादी पार्टी के एक डेलीगेशन को पुलिस ने चिल्ला बॉर्डर पर रोक लिया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने इस्तीफे की मांग खारिज की

लंदन/एपी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने शुक्रवार को उनके इस्तीफे की मांग को खारिज कर दिया। ये मांग इस खुलासे के बाद उठाई गई कि वाशिंगटन में ब्रिटेन के राजदूत पद के लिए उनकी ओर से नामित व्यक्ति को सुरक्षा जांच में विफल रहने के बावजूद नियुक्त किया गया था।स्टार्मर ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं दी गई थी कि विदेश कार्यालय ने 2025 की शुरुआत में सुरक्षा अधिकारियों की उस सिफारिश को खारिज कर दिया था, जिसमें पीटर मैंडेलसन को यह पद न देने की बात कही गई थी।विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी ओली रॉबिंस ने इस फैसले की जिम्मेदारी लेते हुए बृहस्पतिवार देर रात इस्तीफा दे दिया था।माना जा रहा है कि मैंडेलसन की नियुक्ति जोखिम भरी थी, क्योंकि अतीत में उनकी मुलाकात यौन अपराध के दोषी जेफरी एप्स्टीन से हुई थी।स्टार्मर ने कहा कि वह इस मामले में उन्हें अंधेरे में रखे जाने से ''बेहद आक्रोशित'' हैं।

उन्होंने इसे ''चौंकाने वाला'' और ''अक्षम्य'' करार दिया।स्टार्मर ने कहा कि वह सोमवार को संसद के समक्ष ''पूरी पारदर्शिता के साथ सभी प्रासंगिक तथ्य पेश करेंगे।''विपक्षी नेताओं ने इस बात पर हैरानी जताई कि यह कैसे संभव है कि स्टार्मर को मैंडेलसन के सुरक्षा जांच में विफल रहने के बारे के जानकारी नहीं थी। स्टार्मर के कार्यालय ने कहा कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री को इस बारे में इसी सप्ताह पता चला।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस : सरकारी गवाह बनना चाहती हैं जैकलीन फर्नांडिस, कोर्ट ने ईडी को भेजा नोटिस

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस से जुड़े 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक नया और बड़ा मोड़ सामने आया है। लंबे समय से चल रहे इस हाई-प्रोफाइल केस में अब जैकलीन ने खुद आगे आकर सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने की इच्छा जताई है। दरअसल, पटियाला हाउस कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जैकलीन फर्नांडिस ने कहा कि वह इस मामले में जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करना चाहती हैं और सरकारी गवाह बनने के लिए भी तैयार हैं। इस पर अदालत ने बताया

कि इसके लिए उन्हें सीधे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने औपचारिक आवेदन देना होगा। कोर्ट ने साफ किया कि जांच एजेंसी उनके बयान और सहयोग के आधार पर ही तय करेगी कि उन्हें अप्रूवर बनाया जाए या नहीं। अदालत ने इस मामले में ईडी को नोटिस भी जारी किया है और अगली सुनवाई की तारीख 20 अप्रैल तय की है। इसके अलावा, जैकलीन को 24 अप्रैल से 25 मई के बीच विदेश यात्रा की अनुमति भी दे दी गई है। हालांकि, इस दौरान उन्हें तय शर्तों का पालन करना होगा और जांच में सहयोग जारी रखना होगा। बता दें कि पूरा मामला 200 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है, जिसमें सुकेश चंद्रशेखर को मुख्य आरोपी माना गया है। आरोप है कि उसने जेल के अंदर रहते हुए ही ठगी और रंगदारी का बड़ा नेटवर्क चलाया और कई लोगों से करोड़ों रुपए वसूले। इसी दौरान उसका संपर्क बॉलीवुड से भी जुड़ा, और जैकलीन फर्नांडिस का नाम इस केस में सामने आया। ईडी की जांच के मुताबिक, सुकेश ने जैकलीन को कई महंगे तोहफे दिए थे।

'कमर्शियल एक्टर्स' पर ऋचा चड्ढा ने उठाए सवाल, बोलीं- कुछ कहानियों के लिए बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा अक्सर खुलकर कई मुद्दों पर बात करती और अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सवाल उठाया है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार 'कमर्शियल' एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? उनका कहना है कि ऐसे एक्टर्स उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस तक दर्शकों को ला पाते हैं और न ही इंडी फिल्म को फेस्टिवल में कोई साख दिला पाते हैं। ऋचा ने एक बयान में कहा, अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है? एक्ट्रेस ने कहा कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन कम से कम ट्रेंड एक्टर्स के साथ आपको यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी। इंडी फिल्मों के पीछे भी कमर्शियल सोच होती है, कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके।

उन्होंने आगे कहा, किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें, क्योंकि उनके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी तो उठाना पड़ता है। ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है। उन्होंने कहा, इंडी फिल्मों का मकसद नई आवाजों, एक्टर्स, लेखकों और टेक्नीशियन्स को सामने लाना होता है, जो फिल्म में कुछ नयापन और ईमानदारी ला सकें। जब फिल्म मेकर्स 'कमर्शियल वैल्यू' के भ्रम में कास्टिंग के मामले में समझौता करते हैं, तो फिल्म अपनी रूह खो देती है। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि 1980 के दशक में हमारे यहां इंडी सिनेमा का एक जबरदस्त दौर था, और फारूक शेख, अमोल पालेकर, शबाना आजमी जैसे दिग्गज एक्टर्स अपने आप में बड़े सितारे थे। आज वह जगह पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। अगर पूरी इंडस्ट्री सिर्फ 5 बड़े मेल एक्टर्स के इशारे का इंतजार करती रहेगी, जो पहले से ही बहुत थके हुए और बिजी हैं और जिनके कंधों पर आप अपनी फिल्में चलाना चाहते हैं तो आपको मेरी तरफ से 'ऑल द बेस्ट' क्योंकि इसका सीधा सा मतलब है कि फिल्मों का प्रोडक्शन बहुत कम हो जाएगा।

परशुराम जयंती

जम्मू और कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को जम्मू में परशुराम जयंती समारोह के हिस्से के तौर पर एक बड़ी शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

'यूपी वाली, बिहार वाली' का ट्रेलर जल्द होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी और संजना पांडेय स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दोनों अभिनेत्री बहुप्रतीक्षित फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' में तीखी नोकझोंक करती दिखेंगी। बुधवार को मेकर्स ने जानकारी दी कि फिल्म का ट्रेलर जल्द ही रिलीज होने वाला है। मेकर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर जारी किया। इसमें उन्होंने लिखा, भोजपुरी फिल्म 'यूपी वाली बिहार वाली' का ट्रेलर 18 अप्रैल शनिवार सुबह 8 बजे सिर्फ बी4यू भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो रहा है। पोस्टर देख फैंस कयास लगा रहे हैं कि ये फिल्म यूपी और बिहार की दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच के रिश्तों पर आधारित कॉमेडी-ड्रामा होगी। रानी चटर्जी भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। वहीं संजना पांडेय भी अपनी अभिनय क्षमता और स्क्रीन पर खूबसूरती के लिए दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। दोनों अभिनेत्रियों का साथ पहली बार इस फिल्म में देखने को मिलेगा, जिसकी वजह से भोजपुरी दर्शक काफी उत्साहित हैं।

पोस्ट देखकर ये कयास लगाया जा रहा है कि यह फिल्म एक मसालेदार और एंटरटेनिंग कहानी होगी।मंजुल ठाकुर द्वारा निर्देशित फिल्म की स्टारकास्ट बड़ी दिलचस्प है। इसमें रानी और संजना के अलावा, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, स्वेता वर्मा और गोपाल चौहान जैसे स्टार्स नजर आएंगे।फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियों के बीच हंसी-मजाक और नोकझोंक देखने को मिलेगी।

इससे पहले रानी चटर्जी ने शूटिंग के दौरान मुहूर्त की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। उस समय सेट पर दोनों अभिनेत्रियों के बीच मजेदार पल भी देखने को मिले थे। अब फैंस फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेत्री रानी चटर्जी इन दिनों कई प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त चल रही हैं। वहीं, कुछ प्रोजेक्ट रिलीज हो चुके हैं तो कुछ लाइन पर हैं। अभी हाल ही में उनकी फिल्म 'परिणय सूत्र' रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों से काफी प्यार मिला था।

अरिजीत सिंह की फैन बनीं निकिता गांधी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने हाल ही में आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है। बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है। निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा। कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया।

निकिता कहती हैं, यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया। लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है।

दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन-चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

संयुक्ता मेनन ने पूरी की 'द ब्लैक गोल्ड' की शूटिंग, टीम के लिए लिखा इमोशनल नोट

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और प्रतिभाशाली अभिनेत्री संयुक्ता मेनन बेहतरीन परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में अपनी एक मजबूत पहचान रखती हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने एक्शन थ्रिलर फिल्म 'द ब्लैक गोल्ड' की शूटिंग का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी शेड्यूल की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने एक नोट शेयर कर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, सिनेमा कभी भी किसी एक व्यक्ति का सफर नहीं होता। बल्कि, यह कई विभागों में काम करने वाले अनगिनत लोगों के हाथों, दिलों और मेहनत का साथ होता है। सब एक ही लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं। हमने जो कुछ भी यहां बनाया है, वह इसी टीम भावना का नतीजा है। मैं इस पूरी टीम के प्रति बहुत आभारी हूं।संयुक्ता ने फिल्म के निर्देशक योगी को खास तौर धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने लिखा, योगी सर, हर चीज के लिए आपका शुक्रिया। आपका भरोसा और मार्गदर्शन मेरे लिए शब्दों से परे है। उन्होंने मंचेरियल की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान तेज धूप और गर्मी ने काफी परेशान किया। तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। फिर भी पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी। मंचेरियल ने हमारी हर तरह से परीक्षा ली। सूरज की तपिश बहुत तेज थी, लेकिन हमारी टीम उससे भी ज्यादा मजबूत निकली। गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बावजूद सब डटे रहे। पूरी ताकत, जुनून और एक लक्ष्य के साथ काम किया। ऐसा हौसला बहुत कम देखने को मिलता है। इस टीम का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।अभिनेत्री ने फिल्म के हर सदस्य को धन्यवाद देते हुए लिखा, आप सबने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया, जिसके लिए सभी का दिल से शुक्रिया। आप मेरी ताकत हो। जब मैं ऐसी मुश्किल शूटिंग करती हूं, तो मेरा शरीर थकान, डिहाइड्रेशन और सनबर्न महसूस करता है, लेकिन आपकी देखभाल, आपका साथ और आपकी मौजूदगी मुझे हर बार आगे बढ़ने की हिम्मत देती है। अभिनेत्री ने सहायक सिनेमैटोग्राफर का भी खास जिक्र किया। उन्होंने लिखा, परधु, आप सचमुच भगवान का भेजा हुआ तोहफा हो, जिस तरह आपने सब कुछ संभाला है, उसके लिए दिल से शुक्रिया कहना काफी नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मैं इस शेड्यूल से उसी एनर्जी के साथ वापस लौट रही हूं, शायद उससे भी ज्यादा। मैं हल्का-फुल्का और ज्यादा खुश महसूस कर रही हूं। सही समय पर सही लोगों के साथ होना सचमुच बहुत खूबसूरत एहसास है।

दीक्षार्थी आरव का हुआ अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मैलापुर स्थित जैन स्थानक में, श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में 13 वर्षीय दीक्षार्थी मुमुक्षु मास्टर आरव गुलेच्छा के अभिनंदन में एक भव्य एवं प्रेरणादायक समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्थानकवासी एवं तेरापंथ जैन संघ के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान रोशनी मंडल द्वारा दीक्षार्थी गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित सभी को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम में मैलापुर के विभिन्न जैन संघों का प्रतिनिधित्व करते हुए सदस्य उपस्थित रहे एवं दीक्षार्थी के प्रति अनुमोदना प्रकट की, जिनमें तेरापंथ जैन संघ, मैलापुर से नरेश पोकर्णा एवं पूरण खाटेड, मूर्तिपूजक जैन संघ/जैन संघ ट्रस्ट से अध्यक्ष राजेश कोठारी एवं अशोक छल्लानी, तथा मैलापुर स्थानकवासी जैन महिला मंडल से रतन बैद, रेनू चोरडिया एवं सरोजा सोलंकी शामिल रहे। इस अवसर पर दीक्षार्थी का शाल, माला, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया। अल्प आयु में वैराग्य भाव अपनाकर जैन धर्म के अध्ययन एवं साधना में उनकी विशेष रुचि को सभी ने अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

दीक्षार्थी आरव गुलेच्छा की दीक्षा 26 अप्रैल को कोल्हापुर में परम पूज्य आचार्य श्रीमद्विजय अभयशेखरसूरीश्वरजी महाराजा के पावन सान्निध्य में संपन्न होगी। कार्यक्रम का स्वागत, संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संघ के सचिव विमलचंद खाबिया द्वारा किया गया।

वैशाख पक्खी पर्व स्वाध्याय साधना पूर्वक मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट पर स्थित 'स्वाध्याय भवन' में वैशाख पक्खी पर्व के पावन प्रसंग को स्वाध्याय दिवस के रुप में मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने प्रश्न व्याकरण सूत्र पर आश्रव द्वार के अंतर्गत अदतादान द्वार पर मार्मिक विवेचन किया व चोरी करने के भयंकर दुष्परिणाम के बारे में बताते हुए कहा हर जीव को निश्चित ही चोरी करने से बचना चाहिए। स्वाध्यायी बन्धुवर ने विभिन्न आगमों में वर्णित सूत्र,संदेशों व प्रेरणा भरी गाथाओं का उल्लेख करते हुए सुन्दर शैली में विवेचन किया। उपस्थित जिज्ञासु स्वाध्यायीगण द्वारा रखी जिज्ञासाओं का समाधान हुआ।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने आलोयणा पाठ किया। जे कमल चोरडिया ने तीन मनोरथ पाठ किया, महावीरचन्द बागमार ने दैनिक चिन्तन सूत्र व सामूहिक नियम, इंदरचंद कर्णावट ने प्रत्याख्यान करवाये।

इस प्रसंग पर बाबू धनपतराज सुराणा के उपवास व अन्य प्रत्याख्यान हुए। जैन रत्न श्राविका मण्डल की अध्यक्ष शशि कांकरिया, युवक परिषद तमिलनाडु के अध्यक्ष संदीप ओस्तवाल, रुपराज सेठिया, दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, कान्तिलाल तातेड़, लीलमचन्द, ज्ञानचन्द बागमार, गौतमचन्द मुणोत आदि सामायिक परिवेश में उपस्थित थे। बालक हितेन कोठारी ने मंगल पाठ किया।

सायंकालीन प्रतिक्रमण बादलचन्द बागमार ने करवाया। गुरु सुखसाता पाठ गौतमचन्द मुणोत ने करवाया। प्रतिक्रमण व सामूहिक वन्दन के पश्चात स्वाध्यायीगण ने चोबीसी की सामूहिक स्तुति करते हुए वैशाख पक्खी पर्व पर क्षमायाचना की।

भाजपा का राहुल गांधी और स्टालिन पर बड़ा हमला :

नारी शक्ति के साथ विश्वासघात बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर तीखा प्रहार किया है। भाजपा ने विपक्ष के हालिया रुख को 'महिला-विरोधी' और 'राष्ट्र-विरोधी' करार देते हुए कहा कि भारतीय राजनीति आने वाले समय में इन ताकतों को सिरे से नकार देगी।

भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने राहुल गांधी द्वारा संसद में दिए गए भाषण की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा राहुल गांधी का संबोधन न केवल महिलाओं के प्रति अपमानजनक था, बल्कि इसने संसदीय गरिमा को भी ठेस पहुँचाई है। कांग्रेस और 'इंडि' गठबंधन अपने व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए देश

में 'जहर' बोने का काम कर रहे हैं।

ए.एन.एस. प्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण और परिसीमन सुधारों को ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। उन्होंने डीएमके पर हमला बोलते हुए कहा कि एक तरफ देश महिला सशक्तिकरण का जश्न मना रहा है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री स्टालिन और उनकी पार्टी ने नारीशक्तिवंदन विधेयक की प्रतियाँ जलाकर और काले झंडे दिखाकर अपनी 'महिला-विरोधी' मानसिकता का परिचय दिया है।

भाजपा ने स्पष्ट किया कि नए परिसीमन से तमिलनाडु की संसदीय शक्ति में भारी वृद्धि होगी। तमिलनाडु में लोकसभा सीटों की संख्या 39 से बढ़कर 59 होने की संभावना है। यह प्रतिनिधित्व में लगभग 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जिसे द्रमुक रोकने का प्रयास कर रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिणी राज्यों की जनसंख्या और हिस्सेदारी पूरी तरह सुरक्षित और मजबूत रहेगी।

बयान में कहा गया कि जहाँ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 'महिला नीत विकास' के नए युग में प्रवेश कर रहा है, वहीं विपक्ष का 'नंगा विरोधी रुख' जनता के सामने उजागर हो गया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि भारत की माताएं, बहनें और बेटियां इस विश्वासघात को देख रही हैं और आने वाले चुनावों में वे कांग्रेस और उसके सहयोगियों को करारा सबक सिखाएंगी।

आइओबी ने अंडर-14 टेनिस खिलाड़ी पुनीत को स्पांसरशिप घोषित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आइओबी) ने भारत के अंडर-14 टेनिस प्लेयर्स पुनीत एम की आधिकारिक स्पॉन्सरशिप की घोषणा की है। यह साझेदारी आइओबी की खेल में बेहतरीन काम को सपोर्ट करने और युवाओं को वैश्विक स्तर पर कामयाब होने के लिए मज़बूत बनाने की दीर्घकालिक परंपरा को दर्शाती है। सिर्फ़ 13 साल की उम्र में, पुनीत ने नेशनल सर्किट पर लगातार शानदार खेल निपुणता हिम्मत और स्पोर्ट्समैनशिप दिखाई है। अभी वह एआइटीए (ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन) में ऑल-इंडिया नंबर 1 रैंक पर हैं।

लड़कों की अंडर-14 स्टैंडिंग में पुनीत ने हाल ही मेंआइटीएफ एशिया चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद अंडर 14 विंबलडन टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। इस पार्टनरशिप के ज़रिए, आइओबी पुनीत को उनके करियर में अगला बड़ा कदम उठाने में उनके सबसे ज़रूरी खर्चों को कवर करके मदद कर रहा है। बैंक इंटरनेशनल मैचों के लिए उनकी विदेश यात्रा, उनकी रोज़ की ट्रेनिंग और उनकी कोचिंग फ़ीस का भुगतान करेगा। इन खर्चों को वहन कर, आइओबी यह सुनिश्चित कर रहा है कि पुनीत अपनी सारी ऊर्जा अपने खेल पर लगा सकें और अपने खर्चों की चिंता किए बिना विदेश में बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकें। यह सपोर्ट उन्हें काबिल खेल विशेषज्ञ से सीखने और दुनिया भर में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सबसे अच्छा मौका दे रहा है।

इस अवसर पर इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रबंध निदेशक व सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा है कि आइओबी यह विश्वास करता है कि स्पोर्ट्स व्यक्तित्व बनाने और देश के गौरव बढ़ाने का एक मज़बूत माध्यम है। पुनीत उस समर्पण और अनुशासन को दिखाते हैं जिसे हम एक संस्थान के तौर पर महत्व देते हैं। इस अहम अंडर-14 स्टेज पर उनके सफ़र में सहयोग करके-खासकर जब वह विंबलडन के ग्रास कोर्ट की तैयारी कर रहे हैं-हमारा मकसद यह सुनिश्चित करना है कि भारत को अपना अगला टेनिस आइकॉन बनाने में पैसे की रुकावटें न आएं। इस घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए, पुनीत ने बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि इण्डियन ओवरसीज़ बैंक उनका साथ दे रहा है। टेनिस एक मुश्किल खेल है, और यात्राएं बहुत महंगी हैं, इसलिए यह स्पॉन्सरशिप मुझे अपनी ट्रेनिंग और मैचों पर पूरी तरह से फोकस करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि वह दुनिया भर में भारत को गर्व महसूस कराना चाहते है, और उन पर भरोसा करने के लिए वह आइओबी के आभारी है।

अल्पसंख्यक नेताओं के खिलाफ की गयी कार्रवाई में मेरा हाथ नहीं : डी के शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि हाल में दावणगेरे दक्षिण उपचुनाव के दौरान आंतरिक साजिश के आरोप के बाद अल्पसंख्यक समुदाय के जिन कुछ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गयी, उसमें उनकी कोई व्यक्तिगत संलिप्तता नहीं है।

शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि ये निर्णय पार्टी आलाकमान ने उपलब्ध रिपोर्ट के आधार पर लिये। पार्टी अनुशासन को सर्वोपरि बताते हुए प्रदेश काग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने इस चिंता को कमतर दिखाने का प्रयास किया कि अल्पसंख्यक नेताओं के खिलाफ कार्रवाई से यह संदेश जा सकता है कि मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'इस मामले में मेरी कोई निजी भूमिका नहीं है। जो भी निर्णय लिये जाते हैं, वे पार्टी नेतृत्व द्वारा लिये जाते हैं। पार्टी की अपनी रिपोर्टें होती हैं। विधायकों या विधानपरिषद सदस्यों से संबंधित निर्णय दिल्ली से निर्देश के बिना राज्य स्तर पर नहीं लिये जा सकते।'

उन्होंने पत्रकारों से कहा, लोग मुझे दोष दे सकते हैं। मुझे इसकी परवाह नहीं है। सभी को पार्टी अनुशासन के अनुसार कार्य करना चाहिए। कांग्रेस ने विधानपरिषद सदस्य के अब्दुल जब्बार को प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है और एक अन्य विधानपरिषद सदस्य नसीर अहमद को मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के पद से हटा दिया है। यह कार्रवाई मुस्लिम नेताओं के एक समूह द्वारा लगाए गए इस आरोप के बाद की गई है कि पार्टी के कुछ सदस्यों ने दावणगेरे दक्षिण सीट के लिए हुए उपचुनाव में आधिकारिक उम्मीदवार को हराने की साजिश रची थी।

इस कार्रवाई के बाद, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान को भी अगले मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

खबरों के मुताबिक, तीनों नेताओं ने दावणनगेरे दक्षिण उपचुनाव में मुस्लिम उम्मीदवार उतारने की मांग की थी, लेकिन पार्टी ने दिवंगत विधायक शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते समर्थ मल्लिकार्जुन को प्रत्याशी बना दिया। कहा जाता है कि इसके बाद उन्होंने (अब्दुल जब्बार, नसीर अहमद और जमीर अहमद खान ने) चुनाव प्रचार में सक्रिय रूप से भाग नहीं लिया था।

दान देना मानवता का परिचायक : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शुक्रवार को जैन आराधना भवन में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए ङ्गआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि दान देना मानवता का परिचायक है। दया, करुणा और सेवा भावना से दान निष्पन्न होता है। कृपण मनुष्य धन की सामर्थ्य होते हुए भी कभी दान देने का मन नहीं बनाता। अपने स्वामित्व की संपत्ति या सामग्री छोड़ने के लिए उदारता की भावना चाहिए। वैसे, गहरे अर्थों में दान देना सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्य है। समाज के बीच रहकर हम समाज से ही धन कमाते हैं। अगर वक्त पर हमारी थोड़ी-बहुत कमाई भी समाज के काम न आए तो यह अफसोसजनक और अनुचित बात है, इसलिए यह आवश्यक है कि इस दुनिया से रवानगी के पहले समाज की उन्नति या सेवा के लिए हम दान देकर अपने औचित्य और नैतिक दायित्व का परिपालन करें। मृत्यु के बाद तो धन या कोई सामग्री किसी के साथ नहीं जाती। सब यहां का यहीं धरा रह जाता है, यह देखते हुए दान देना ही भलाई है। ङ्गङ्गङ्गजैनाचार्य ने कहा कि जो देते हैं, वे समझदार और महान हैं। जो नहीं देते, उन्हें भी सब छोड़कर तो जाना ही है। दान देने वाले को पुण्य मिलता है, लोगों की ढेरों शुभ कामनाएं और आशीष मिलती है। न देने वाले कृपण की आलोचना होती है। जाने के बाद उसे कोई याद नहीं करता। एक प्रकार से दान देकर मनुष्य पापमुक्त और हल्का बनता है। धन इक्कठा करने की कोई सीमा नहीं है। जिंदगी कम पड़ जाती है धन कमाते-कमाते। कभी-कभी तो ऐसा लगता है, जैसे मनुष्य धन पैदा करने की मशीन बन गया है। दुनिया को धन के लिए दिन-रात एक करते हुए जब देखते हैं तो विचार आता है कि जीवन धन के लिए लग रहा है या धन जीवन के लिए ? इस अवसर पर विविध संगठनों के पदाधिकारियों और अनेक गणमान्य लोगों ने भी जैनाचार्य के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

चातुर्मास में आप अपनी बुराइयों को त्यागने का दृढ़ संकल्प लें

डॉ समकितमुनि ने बेंगलूरु में किया मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चेन्नई से चातुर्मास सम्पन्न कर विभिन्न शहरों से विहार करते हुए शुक्रवार को डॉ. समकितमुनिजी, भवांतमुनिजी तथा जयवंतमुनिजी ने बेंगलूरु में मंगल प्रवेश किया। संतों ने शुक्रवार को आडुगुड़ी स्थित तेरापंथ भवन से विहार करते हुए विल्सन गार्डन जैन स्थानक में प्रवेश किया। संतों के प्रवेश से पूरे क्षेत्र में उत्साह व भक्ति का माहौल बन गया। सकल जैन समाज के श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा व आस्था से संतों का स्वागत किया। ज्ञातव्य है कि समकितमुनिजी का आगामी चातुर्मास बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में महावीर जैन धर्मशाला में होना तय हुआ है।

'मैं गलत सीख को भुलवाने आया हूँ'

नगर प्रवेश के उपरांत आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए डॉ. समकित मुनिजी ने कहा कि आज इंसान इतना अधिक सीख चुका है कि वह अहंकार से छलक रहा है। समाज में राग-द्वेष, नफरत, तेरा-मेरा, बंटना और काटना यह एक महारोग बन चुका है। मैं यहाँ कुछ नया सिखाने नहीं, बल्कि जो आपने गलत सीख रखा है उसे भुलवाने आया हूँ। मैं स्वयं को शिक्षक नहीं, एक विद्यार्थी मानता हूँ। उन्होंने सभी श्रावक-श्राविकाओं से आह्वान किया कि इस चातुर्मास में अपनी बुराइयों को त्यागने का दृढ़ संकल्प लें।

-'बेंगलूरु चातुर्मास में स्वयं जुड़ें और दूसरों को जोड़ें'

संतश्री ने अपने चातुर्मास के बारे में स्पष्ट किया कि यह चातुर्मास किसी एक क्षेत्र का नहीं, बल्कि पूरे शहर का है, इसलिए इसकी व्यवस्था समिति का नाम बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 रखा गया है। उन्होंने धर्म से जुड़ने व दूसरों को जोड़ने का संदेश देते हुए कहा कि संतों का आगमन समाज को एकजुट करने के लिए होता है, न कि विभाजन के लिए। युवाओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ का युवा वर्ग सेवा, विहार और धर्म के प्रति अद्भुत समर्पण रखता है और भविष्य में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

नई दिशा, नया जीवन देगा 'जीवन संजीवनी चातुर्मास'

इस वर्ष के चातुर्मास को संतश्री ने 'जीवन संजीवनी चातुर्मास-2026' का नाम देते हुए कहा कि इस चातुर्मास का उद्देश्य समाज को नई दिशा और नवजीवन प्रदान करना है। श्राविकाओं के उत्साह को देखते हुए उन्होंने उनकी भूमिका को विशेष महत्व दिया और कहा कि चातुर्मास में नारी शक्ति वंदन की भावना प्रमुख रहेगी। चार माह तक चलने वाली विशेष प्रवचन माला 'द्रौपदी की कथा' को उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं व श्राविकाओं को समर्पित करते हुए कहा कि यह केवल द्रौपदी की कथा नहीं, बल्कि कर्म और जीवन की कथा है-हम सबकी कथा होगी।

तेला तप से करें चातुर्मास का स्वागत

संतश्री ने पूरे बेंगलूरु समाज को एक विशेष होमवर्क देते हुए कहा कि चातुर्मास का स्वागत तेला तप से किया जाए। 26 जुलाई को महावीर धर्मशाला में चातुर्मास प्रवेशोत्सव आयोजित होगा। गुरु पूर्णिमा एवं चातुर्मास प्रारंभ के उपलक्ष्य में विशेष तप आराधना आयोजित की जाएगी। संतश्री ने बताया कि सोमवार को गणेशबाग में अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। गणेश बाग संघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से 65 से अधिक तपस्वी शामिल होंगे।

अनेक संघ व उनके प्रतिनिधि रहे उपस्थित

इस ऐतिहासिक नगर प्रवेश में बेंगलूरु के राजाजीनगर, कम्मनहल्ली, अशोकनगर, जयनगर, विजयनगर, ऑस्टिन टाउन, शांतिनगर, श्रीरामपुर, सारक्की (जेपी नगर), पार्क वेस्ट, सेंट्रल संघ, मेवाड़ संघ सहित अनेक संघों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। संतों के प्रवेश के मौके पर रायचंद छाजेड़, चेतनप्रकाश डूंगरवाल, प्रकाश बेताला, गुलाबचंद पगारिया, सुरेश छल्लानी, अभयकुमार बांठिया, पुखराज मेहता, रतनचंद सिंघी, नेमीचंद दलाल, हस्तीमल बाफना, महावीरचंद मेहता, महेंद्र मुणोत, गौतमचंद सिंघवी, सुरेश धोका, धर्मीचंद बोहरा, दिनेश खिंवेसरा, विकास कोठारी, आशीष भंसाली, प्रदीप कांठेड़ सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

विल्सन गार्डन संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली , मंत्री सज्जन बोहरा आदि ने संतों व अतिथियों का स्वागत किया। बेंगलूरु चातुर्मास समिति एवं जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत की ओर से नेमीचंद दलाल ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी एवं सभी को चातुर्मास में सहयोग हेतु आह्वान किया। रसीला मरलेचा, पुष्पा बोहरा एवं अन्य सदस्याओं ने गीतिका के माध्यम से अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं। जैन कॉन्फ्रेंस युवा विहार सेवा, एसएमएस विहार सेवा तथा समिति के युवा एवं महिला टीम ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न संघों के प्रतिनिधियों ने संतश्री से अपने-अपने क्षेत्रों में पधारने का निवेदन किया। मुनिश्री ने मंगलपाठ प्रदान कर धर्मसभा को कृतार्थ किया।

सिद्दरामय्या 'बेबस' हैं, 'मजबूरी' का सामना कर रहे : विधायक राजन्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर सिद्दरामय्या के विश्वासपात्रों को निशाना बनाए जाने के दावों के बीच वरिष्ठ विधायक केएन राजन्ना ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ''मुख्यमंत्री बेबस'' हैं और ''किसी मजबूरी'' का सामना कर रहे हैं क्योंकि वह अपने लोगों की रक्षा करने के लिए खड़े नहीं हो रहे हैं। हाल ही में कुछ पार्टी नेताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद राजन्ना ने यह बात कही।

सिद्दरामय्या के करीबी माने जाने वाले पूर्व मंत्री ने यह टिप्पणी कांग्रेस द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ नेताओं (जो मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं) के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के बाद की। पार्टी ने संबंधित नेताओं पर कार्रवाई नौ अप्रैल को दावणगेरे दक्षिण उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ आंतरिक साजिश रचने के आरोप के बाद की। राजन्ना को भी पिछले साल अगस्त में पार्टी आलाकमान के निर्देश पर मंत्रालय से बर्खास्त कर दिया गया था, क्योंकि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप की कथित तौर पर आलोचना की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस में सिद्दरामय्या के समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है, राजन्ना ने कहा, ''पार्टी में कुछ स्वार्थी तत्व होंगे जो पार्टी के प्रति वफादार रहे और जनता के कल्याण के लिए पार्टी को आगे बढ़ाने की मंशा रखने वालों के खिलाफ साजिश रचने की कोशिश करेंगे। इस बारे में कुछ नहीं किया जा सकता। हम अपने मुख्यमंत्री से यही उम्मीद करते हैं कि ऐसी स्थिति आने पर वह मजबूती से खड़े रहें, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पा रहे, और यह बहुत दुख की बात है।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''...मुझे नहीं पता कि उनकी सोच क्या है। लेकिन हमें सिद्दरामय्या की ''ऐसी बेबस' स्थिति की उम्मीद नहीं थी।'' यह पूछे जाने पर कि सिद्दरामय्या को बेबस किसने बनाया, पूर्व मंत्री ने कहा, ''मैं नहीं बताऊंगा कि किसने, आप खुद समझ लीजिए।'' उन्होंने कहा, ''लोग कह रहे हैं कि सिद्दरामय्या के करीबी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है... मुझे नहीं पता सिद्दरामय्या किस मजबूरी में हैं। अगर वह बताएंगे तो हमें पता चल जाएगा, लेकिन वह बता नहीं रहे हैं। मुझे नहीं पता कि किस मजबूरी में वह ऐसी तटस्थता बरत रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बेबस हैं और इंसान तब बेबस हो जाता है जब उसकी आवाज दब जाती है। कांग्रेस ने हाल ही में विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के. अब्दुल जब्बार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया था और एक अन्य एमएलसी नसीर अहमद को मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के पद से हटा दिया था। यह कार्रवाई मुस्लिम नेताओं के एक समूह द्वारा अपनी ही पार्टी के सदस्यों पर दावणगेरे दक्षिण में आधिकारिक उम्मीदवार को हराने की 'साजिश' रचने का आरोप लगाए जाने के बाद की गई। जब्बार और नसीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई के बाद, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान को भी अगले मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि ये तीनों दावणगेरे दक्षिण से उपचुनाव में किसी मुस्लिम को टिकट दिलाना चाहते थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.